



श्रमसाधना



हम बनेंगे आपकी आवाज
रखें करें और चैनल से जुड़े

shramsadhnagwl@gmail.com

श्रम की शक्ति, राष्ट्र की प्रगति

www.shramsadhnagnews.com

दैनिक सांध्यकालीन

RNI रजि. क्र. 50069/89

वर्ष: 38, अंक: 68 ग्वालियर, गुरुवार 08 अक्टूबर 2026

विक्रम संवत् 2083 पृष्ठ 12, मूल्य 1 रुपया

डाक पंजीयन

L-2-13/समा.पत्र/पं. 40020181/22-23

**मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने
भारतीय वायु सेना
दिवस के वीर योद्धाओं
को शुभकामनाएं दीं**



भोपाल जीएनएस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समस्त वीर योद्धाओं को भारतीय वायु सेना दिवस की शुभकामनाएं दीं हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा कि भारत माता की रक्षा के लिए सदैव तत्पर, साहस और शौर्य की मिसाल, वायु सेना के शूरीयों की वीरता एवं कर्तव्यनिष्ठा पर सभी देशवासियों को गर्व है। उनके पराक्रम, समर्पण और अदम्य साहस से ही हमारा आकाश सुरक्षित है।

उज्जैन में सेवा ज्योति कलश यात्रा को मुख्यमंत्री ने किया संबोधित

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्ष सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित : डॉ यादव

उज्जैन जीएनएस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री के सार्वजनिक जीवन के गौरवपूर्ण 25 वर्ष पूर्ण होने पर प्रदेशवासियों की ओर से बधाई दी और विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री उज्जैन में आयोजित सेवा ज्योति कलश यात्रा कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में सार्वजनिक



जीवन की नई जिम्मेदारी संभाली थी। इसके बाद उन्होंने लगातार राष्ट्र सेवा को प्राथमिकता देते हुए देश

के विकास और गरीब कल्याण के लिए अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए। डॉ. यादव ने कहा कि

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश ने कोरोना महामारी जैसी चुनौती का सामना किया। आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास, उज्ज्वला सहित विभिन्न योजनाओं से गरीब और वंचित वर्गों को लाभ मिला। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने, अयोध्या में राम मंदिर निर्माण और देश की सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने जैसे महत्वपूर्ण कार्य भी उनके कार्यकाल में हुए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश भी विकास की नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है। उज्जैन में महाकाल लोक के निर्माण के बाद धार्मिक पर्यटन को

नई गति मिली है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 में उज्जैन आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या करीब 60 से 70 लाख थी, जो वर्ष 2025 में बढ़कर करीब सात करोड़ हो गई। प्रदेश में पर्यटन गतिविधियों में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का विकसित भारत-2047 का संकल्प देश को नई दिशा दे रहा है। प्रदेशवासी भी इस संकल्प को साकार करने में अपनी भूमिका निभाएं। कार्यक्रम में सेवा ज्योति कलश यात्रा का आयोजन किया गया तथा बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और नागरिक मौजूद रहे।

15 दिसंबर से 15 फरवरी तक आयोजित होगा श्रीमंत माधवराव सिंधिया व्यापार मेला

ग्वालियर व्यापार मेले में दुकान आवंटन के लिए कल से आवेदन शुरू होंगे

ग्वालियर जीएनएस

श्रीमंत माधवराव सिंधिया व्यापार मेले में दुकानों के आवंटन के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 9 अक्टूबर से शुरू होगी। ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण द्वारा आयोजित यह मेला 15 दिसंबर 2026 से 15 फरवरी 2027 तक चलेगा। वर्ष 2026-27 के लिए दुकानों का आवंटन एमपी ऑनलाइन के माध्यम से किया जाएगा। आवेदन की प्रक्रिया 9 अक्टूबर से शुरू होकर 31 अक्टूबर तक चलेगी।

प्रथम चरण में ऑटोमोबाइल सेक्टर, झूला सेक्टर और पक्की

दुकानों के लिए आवेदन एवं आरक्षण की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। शेष अस्थायी दुकानों और चबूतरों के लिए आवेदन एवं आरक्षण की प्रक्रिया आगामी सप्ताह से शुरू होगी।

मेला प्राधिकरण के अनुसार वर्ष 2025-26 की बकाया राशि वाले दुकानदारों और व्यापारियों को पहले अपना बकाया जमा करना होगा। इसमें कवर्ड एरिया, अतिरिक्त विद्युत भार, निर्धारित समय के बाद दुकान लगाने पर लगाई गई पेनल्टी सहित अन्य बकाया राशि शामिल है। बकाया राशि जमा करने के बाद संबंधित दुकानदारों को ऑनलाइन

अनापत्ति प्रमाण-पत्र (एनओसी) प्राप्त होगा। बकायादार दुकानदारों की सूची मेला प्राधिकरण के सूचना-पटल पर चप्पा की गई है। बकाया राशि जमा करने के बाद ही वे दुकान आवंटन के लिए आवेदन कर सकेंगे।

आवेदन के लिए दस्तावेज जरूरी : ऑनलाइन आवेदन के दौरान व्यापारियों और दुकानदारों को अपनी फोटो, पैन कार्ड तथा निवास संबंधी दस्तावेज ऑनलाइन अपलोड करने होंगे। निवास दस्तावेज के रूप में आधार कार्ड मान्य नहीं होगा। बकायादार आवेदकों को बकाया राशि जमा

करने संबंधी एनओसी भी ऑनलाइन अपलोड करनी होगी।

व्यापारियों की सुविधा के लिए मेला परिसर स्थित कलामंदिर रंगमंच में ऑनलाइन दुकान आवंटन शिविर लगाया गया है। ऑनलाइन आवेदन से संबंधित समस्या के लिए एमपी ऑनलाइन प्रभारी आशीष सक्सेना के मोबाइल नंबर 7049923890 पर संपर्क किया जा सकता है।

मेला प्राधिकरण ने व्यापारियों एवं दुकानदारों से निर्धारित अवधि में आवेदन कर दुकान आवंटन की प्रक्रिया पूरी करने का अनुरोध किया है।

अभिनेता नाना पाटेकर का निधन, 75 की उम्र में ली अंतिम सांस

गोवा जीएनएस

हिंदी और मराठी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर का गुरुवार सुबह गोवा स्थित आवास पर निधन हो गया। वे 75 वर्ष के थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्हें गंभीर कार्डियक अरेस्ट आया, जिसके बाद तत्काल अस्पताल ले जाया गया। करीब 45 मिनट तक चिकित्सकों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन उनकी हालत में सुधार नहीं हुआ। सुबह करीब 5-20 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

मणिपाल अस्पताल के ऑन्कोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. शेखर सालंकर ने बताया कि नाना पाटेकर को गंभीर कार्डियक अरेस्ट हुआ था। चिकित्सकों के तमाम प्रयासों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। नाना पाटेकर के



निधन की खबर सामने आते ही फिल्म जगत और उनके प्रशंसकों के बीच शोक की लहर दौड़ गई। चार दशक से अधिक लंबे फिल्मी सफर में उन्होंने हिंदी और मराठी सिनेमा में अलग पहचान बनाई। उन्होंने वर्ष 1978 में फिल्म 'गमन' से अभिनय की शुरुआत की थी। 'परिंदा', 'तिरंगा', 'क्रांतिवीर', 'अब तक छप्पन', 'अपहरण', 'वेलकम' और 'नटसम्राट' जैसी फिल्मों में उनके अभिनय को खूब सराहा गया।

दाता बंदी छोड़ द्वार पर पुष्पवर्षा और आतिशबाजी से किया स्वागत, 500 से 600 संगत ने ग्रहण किया प्रसाद

अमृतसर से पैदल आई 'शब्द चौकी यात्रा' का ग्वालियर में भव्य स्वागत

ग्वालियर जीएनएस

अमृतसर साहिब से ग्वालियर तक पैदल यात्रा कर पहुंची ऐतिहासिक 'शब्द चौकी यात्रा' का बुधवार सुबह 5 बजे दाता बंदी छोड़ द्वार पर भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर शहर की समूह संगत सहित सिख फोरम के सदस्य और पदाधिकारी मौजूद रहे। नगर कीर्तन और गुरुबाणी शब्द कीर्तन के गायन से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

यात्रा में सबसे आगे पवित्र निशान साहब चल रहे थे। दाता बंदी छोड़ द्वार पहुंचने पर संगत ने

आतिशबाजी और पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। इस दौरान शब्द चौकी के मुख्य जयेंथेदारों ने सिख फोरम के प्रमुख सदस्यों एवं पदाधिकारियों को गुरुघर की बख्शिश के रूप में सिरोंपे और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।

धार्मिक आयोजन में महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। रायड़ू, खेरिया और पुरानी छावनी सहित आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में संगत पहुंची। श्रद्धालुओं ने सेवा भाव से करीब



500 से 600 संगत सदस्यों को प्रसाद छकाया।

10 अक्टूबर तक जारी रहेगा लंगर : सिख फोरम ग्वालियर की ओर से 4 से 10 अक्टूबर तक साप्ताहिक लंगर सेवा भी जारी है। इसी क्रम में बुधवार को दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक लंगर चला, जिसमें करीब 3000 संगत ने प्रसाद ग्रहण किया। फोरम के अनुसार 10 अक्टूबर तक प्रतिदिन सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक लंगर सेवा जारी रहेगी। फोरम ने सिख संगत एवं शहरवासियों से सेवा में

सहभागिता की अपील की है।

दाता बंदी छोड़ द्वार के नामकरण पर जताया आभार : दाता बंदी छोड़ द्वार के विधिवत नामकरण के अवसर पर विशेष अरदास की गई। इस मौके पर अमृतसर से पैदल पहुंची शब्द चौकी की संगत ने द्वार के नामकरण के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और स्थानीय प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। संगत ने कहा कि यह नामकरण धार्मिक आस्था से जुड़े इस स्थल के लिए महत्वपूर्ण अवसर है।

कहानी बदलाव की: पीएम स्वनिधि योजना से ऋण प्राप्त कर धर्मद्र ने हासिल की आर्थिक मजबूती

शिवपुरी, जीएनएस।

जीवन में यदि सही समय पर थोड़ा सा आर्थिक संबल मिल जाए, तो संघर्षों से जूझ रहा व्यक्ति भी अपनी मेहनत के दम पर सफलता की नई इबारत लिख सकता है। ऐसा ही कुछ कर दिखाया है जिला शिवपुरी की नगर परिषद बैराड़ में रहने वाले श्री धर्मद्र ने। एक समय था जब संसाधनों के अभाव और सीमित पूंजी के कारण उन्हें अपना छोटा-मोटा रोजगार चलाने में भारी आर्थिक तंगी का सामना करना

पड़ता था।

पीएम स्वनिधि योजना से मिला संबल

श्री धर्मद्र की इस डूबती आर्थिक स्थिति को उबारने में केंद्र सरकार की पीएम स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना मददगार साबित हुई। योजना के अंतर्गत नगर परिषद बैराड़ और बैंक के प्रशासनिक सहयोग से उन्हें सबसे पहले ₹10,000 का प्रथम चरण का ऋण बिना किसी गारंटी के प्राप्त हुआ।



इस राशि का सही उपयोग कर श्री धर्मद्र ने अपना कार्य शुरू किया और समय पर पूरा ऋण चुकता कर दिया।

ईमानदारी और समय पर ऋण

चुकाने के फलस्वरूप उन्हें दूसरे चरण में ₹20,000 का लोन स्वीकृत हुआ। इसे भी सफलतापूर्वक चुकाने के बाद तीसरे चरण में ₹50,000 का बड़ा क्रेडिट लोन मिला। इन तीन चरणों में मिली आर्थिक सहायता से उन्होंने अपने व्यवसाय 'धर्मद्र हॉट मोमोस एवं वेज बिरयानी' के स्टॉल का विस्तार किया, जरूरी सामग्री खरीदी और गुणवत्ता में सुधार किया। इस नवाचार और मेहनत के बल पर आज वे अपने इस फास्ट

फूड व्यवसाय से प्रतिमाह ₹30,000 की शानदार आमदनी अर्जित कर रहे हैं। आज धर्मद्र न केवल अपने परिवार का भरण-पोषण सम्मानपूर्वक कर रहे हैं, बल्कि स्थानीय स्तर पर छोटे दुकानदारों के लिए प्रेरणास्रोत भी बन गए हैं। वे डिजिटल पेमेंट माध्यमों का उपयोग कर अपने ग्राहकों को आधुनिक सुविधा भी प्रदान कर रहे हैं। उनकी इस सफलता से उनके परिवार का जीवन स्तर सुधरा है और उन्हें समाज में एक सफल सूक्ष्म उद्यमी के रूप में पहचान मिली है।

अपनी इस सफलता और स्वावलंबन की यात्रा पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए श्री धर्मद्र कहते हैं, पीएम स्वनिधि योजना ने मेरी डूबती आर्थिक स्थिति को उबारकर मुझे समाज में सम्मानपूर्वक जीने और आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया है। मैं प्रधानमंत्री जी का धन्यवाद देना चाहूंगा कि उन्होंने हम जैसे छोटे दुकानदारों के लिए इतना अच्छा अवसर दिया, जिससे हमें अपना रोजगार सुचारू रूप से चलाने में बड़ी सहायता मिली।

राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना के तहत मिलेगी सहायता

श्यापुर, जीएनएस।

कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा के निर्देशानुसार अपर कलेक्टर श्री रूपेश उपाध्याय ने जनसुनवाई के दौरान आये आवेदकों की समस्याएं गंभीरता से सुनते हुए उनके निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। जनसुनवाई में 115 आवेदन प्राप्त हुए।

जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान एसडीएम श्री गगन सिंह मीणा, डिप्टी कलेक्टर शिवलाल शाक्य सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना के तहत मिलेगी सहायता

अपर कलेक्टर श्री रूपेश उपाध्याय द्वारा जनसुनवाई के दौरान बड़ौदा निवासी महिला श्रीमती मांगीबाई के आवेदन पर

तीन बच्चों को मिलेगा स्पॉन्सरशिप योजना का लाभ



सीएमओ बड़ौदा को राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना अंतर्गत राशि स्वीकृत करने के निर्देश दिये। महिला ने बताया कि उसके पुत्र की मृत्यु हो गई थी, तथा अभी तक योजना के तहत लाभ प्राप्त नहीं हुआ है, इस पर सीएमओ बड़ौदा को दूरभाष पर निर्देश दिये कि सहायता राशि स्वीकृत कर अगवत

कराया जायें। योजना के तहत महिला को 20 हजार रुपये की राशि मिलेगी।

तीन बच्चों को मिलेगा स्पॉन्सरशिप योजना का लाभ

जनसुनवाई के दौरान स्पॉन्सरशिप योजना अंतर्गत लाभ दिये जाने संबंधी आवेदन का त्वरित निराकरण करते हुए

आवेदक महिला श्रीमती जूली राठौर निवासी प्रेमसर को अवगत कराया गया कि उसके तीनों बच्चों को स्पॉन्सरशिप योजना में जोड़ दिया गया है तथा स्वीकृति भी प्रदान हो गई है। श्रीमती ही बैंक खाते के माध्यम से प्रत्येक बच्चे को 4-4 हजार रुपये की सहायता राशि प्राप्त होगी।

आवास योजना में जुड़ा महिला का नाम

जनसुनवाई के दौरान ग्राम भैरूखेडी, फिलोजपुरा निवासी श्रीमती रामघडी बाई पति श्री पप्पू बैरवा के आवास के मांग संबंधी आवेदन का तत्काल निराकरण करते हुए अवगत कराया गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण सर्वे 2.0 में नाम जोड़ दिया गया है।

नशामुक्ति कार्यक्रम आयोजित

श्यापुर, जीएनएस।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर मनाए जा रहे मद्य निषेध सप्ताह (02 से 08 अक्टूबर) के तहत नशामुक्ति पर आधारित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इसी क्रम में कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा के मार्गदर्शन तथा सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग अंतर्गत अशासकीय संस्था अशोक शिक्षा प्रचार समिति (जय मारुति नशा मुक्ति केंद्र) के सहयोग से नशा मुक्त भारत अभियान और सेवा मेरा योगदान अंतर्गत शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय कराहल में नशे के दुष्परिणामों पर आधारित नाट्य प्रस्तुति दी गई। आस्था कला नाट्य मंच ग्वालियर के निर्देशक श्री नेमीचंद के नेतृत्व में रंगकर्मी मंगल

सिंह, प्रमोद शर्मा, वासु द्विवेदी और ज्योति शर्मा ने अपने सजीव अभिनय से दर्शाया कि कैसे मादक द्रव्य, तंबाकू, सिगरेट, गुटखा और शराब के सेवन की शुरुआत एक छोटे से शौक से होती है और धीरे-धीरे यह इंसान को कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों, मानसिक अवसाद और असमय मौत के मुहाने पर खड़ा कर देती है। नाटक में यह भी बहुत ही प्रभावी ढंग से दिखाया गया कि एक व्यक्ति की लत के कारण पूरे परिवार को किस प्रकार आर्थिक तंगी और कलह का सामना करना पड़ता है। नाट्य प्रस्तुतियों से प्रभावित होकर उपस्थित ग्रामीणों, महिलाओं, युवाओं और स्कूली बच्चों ने नशे के इन घातक दुष्परिणामों से दूर रहने का संकल्प लिया।

नेत्र परीक्षण एवं चश्मा वितरण शिविर आयोजित

श्यापुर, जीएनएस।

कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा के मार्गदर्शन में सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत आज जिला चिकित्सालय श्यापुर सहित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़ौदा, कराहल एवं विजयपुर में निःशुल्क नेत्र परीक्षण एवं चश्मा वितरण शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद नागरिकों को आवश्यक नेत्र चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना तथा दृष्टिदोष से संबंधित समस्याओं का समय पर परीक्षण एवं उपचार सुनिश्चित करना रहा।

जिला चिकित्सालय श्यापुर में शिविर में डॉ जीके गोयल द्वारा

कुल 175 मरीजों का निःशुल्क नेत्र परीक्षण किया गया तथा आवश्यकतानुसार दवा वितरण की गई। परीक्षण के उपरांत दृष्टिदोष पाए जाने वाले 120 मरीजों को निःशुल्क चश्मों का वितरण किया गया, जांच के दौरान 4 मरीजों को ऑपरेशन हेतु चिन्हित किया गया, जिन्हें आवश्यक चिकित्सा प्रक्रिया के लिए जिला चिकित्सालय श्यापुर में भर्ती किया गया है। संबंधित मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में उपचार एवं आवश्यक शल्य चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

इसी प्रकार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़ौदा में मेडिकल

कॉलेज के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. रवि कुशवाहा द्वारा 85 मरीजों का नेत्र परीक्षण एवं उपचार किया गया तथा 41 लोगों को चश्मे वितरित किए गए।

इसी क्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कराहल में मेडिकल कॉलेज के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. नीरज माहौर द्वारा 52 नेत्र रोगियों का नेत्र परीक्षण कर उपचार किया गया तथा 20 लोगों को चश्मे वितरित किए गए। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विजयपुर में नेत्र सहायक श्री रामकेश सेवरे द्वारा 25 नेत्र रोगियों का नेत्र परीक्षण कर उपचार किया गया तथा 10 लोगों को चश्मे वितरित किए गए।

कलेक्टर ने डी-वार्मिंग टेबलेट खिलाकर की अभियान की शुरुआत

2 लाख 62 हजार बच्चों को खिलाई एलबेण्डाजोल टेबलेट

श्यापुर, जीएनएस।

कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा द्वारा आज पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय श्यापुर में बच्चों को डी-वार्मिंग टेबलेट खिलाकर राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस अभियान की शुरुआत की गई। उन्होंने राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का शुभारंभ केन्द्रीय विद्यालय के बच्चों तमन्ना मीणा, पार्थ एवं आराध्य को एलबेण्डाजोल की टेबलेट खिलाकर की। इसके साथ ही विद्यालय के सभी बच्चों को टेबलेट खिलाई गई। इस अवसर

पर सीएमएचओ डॉ. डीएस सिकरवार, स्कूल के प्रभारी प्राचार्य श्री अनिल मीणा, टीकाकरण अधिकारी डॉ. मुकेश मीणा, तहसीलदार श्री दीपेश धाकड़, स्वास्थ्य विभाग के मीडिया अधिकारी श्री आरबी शाक्य आदि उपस्थित रहे। कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा ने स्कूल में आयोजित उक्त कार्यक्रम के दौरान बच्चों से संवाद करते हुए उन्हें मेहनत और लगन के साथ पढ़ाई कर आगे बढ़ने और अपने परिवार तथा स्कूल का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया

तथा टीएलएम (टीचर लर्निंग मटेरियल) अंतर्गत बच्चों द्वारा शिक्षकों के सहयोग से बनाये गये विभिन्न शिक्षण अधिगम के मॉडलों का अवलोकन करते हुए बच्चों के कार्यों की प्रशंसा की गई। कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा द्वारा इस अवसर पर विद्यालय की कम्प्यूटर लैब, लाइब्रेरी, ओपर रीडर कार्नर आदि का अवलोकन किया तथा कक्षा 2 की क्लास में पहुंचकर बच्चों से संवाद करते हुए अध्ययन एवं अध्यापन संबंध में जानकारी ली गई।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाए: शिवपुरी जिले के मतदान केंद्रों पर 09 अक्टूबर तक विशेष शिविर शुरू

शिवपुरी, जीएनएस।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचक नामावली के निरंतर अद्यतन (निरंतर पुनरीक्षण) प्रक्रिया के अंतर्गत शिवपुरी जिले की समस्त पांचों विधानसभाओं करैरा,पोहरी, शिवपुरी, पिछोर एवं कोलारस) के मतदान केंद्र स्तर पर 07, 08 और 09 अक्टूबर 2026 तक तीन दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

इस अभियान के सफल संचालन हेतु कलेक्टर सहायक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिनेश चंद्र शुक्ला की

अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ स्टैंडिंग कमेटी की बैठक संपन्न हुई। बैठक में अभियान की जानकारी देते हुए उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि इन शिविरों का मुख्य उद्देश्य 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके, 01 जनवरी 2027 तक पात्र होने वाले भावी मतदाताओं तथा छूटे हुए सभी पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में शत प्रतिशत जोड़ना है।

?अभियान के दौरान प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने के लिए जारी निर्देशों की जानकारी



देते हुए उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने स्पष्ट किया कि पात्र नागरिक अपने संबंधित मतदान केंद्र पर उपस्थित बूथ लेवल अधिकारी से संपर्क कर फॉर्म 6 भर सकते हैं। विशेष कैप के दौरान फॉर्म 6 प्राप्त करते समय

बीएलओ को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि आवेदकों से अलग से कोई घोषणा पत्र न लिया जाए। इसके अलावा अनुपस्थित शिफटेड, मृत और डुप्लीकेट सूची का बीएलओ द्वारा भौतिक सत्यापन कर पात्र मतदाताओं के

नाम मतदाता सूची में जोड़ने की त्वरित कार्यवाई की जाएगी, ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदान के अधिकार से वंचित न रहे।

युवाओं और विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिले के सभी हायर सेकंडरी स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों तथा तकनीकी शैक्षणिक संस्थानों में विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों के माध्यम से 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले विद्यार्थियों के 'Voter Helpline App' एवं voters.gov.in पोर्टल के जरिए

ऑनलाइन फॉर्म 6 दर्ज करने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है। वहीं, जो नागरिक मतदान केंद्र तक नहीं पहुंच सकते, वे भी घर बैठे ऑनलाइन माध्यम से फॉर्म 6 जमा कर अपना नाम दर्ज करा सकते हैं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री शुक्ला ने सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से भी अपील की है कि वे अपने बूथ लेवल एजेंट्स के माध्यम से 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके युवाओं तथा छूटे हुए सभी पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में जुड़वाने में सक्रिय सहयोग प्रदान करें।

ग्वालियर की सड़कों पर अब दिखेगी LED की चमक, सौंदर्यीकरण के साथ बढ़ेगी सुरक्षा

ग्वालियर, जीएनएस।
नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देशानुसार शहर के सौंदर्यीकरण एवं सड़क सुरक्षा को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से नगर निगम ग्वालियर द्वारा विशेष पहल की जा रही है।
सहायक सिटी प्लानर श्री अमित गुप्ता द्वारा शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों एवं सार्वजनिक स्थलों पर आधुनिक प्लास्टिक स्लैब कर्ब स्टोन लगाए जा रहे हैं। यह पहल शहर की सुंदरता बढ़ाने के साथ-साथ रात्रि के समय वाहन चालकों

एवं पैदल राहगीरों की सुरक्षा के लिए भी उपयोगी साबित होगी।
नगर निगम द्वारा लगाए जा रहे स्लैब कर्ब स्टोन (114x44x10) की लंबाई लगभग 500 मिलीमीटर (0.5 मीटर), चौड़ाई 150 मिलीमीटर तथा ऊंचाई 200 मिलीमीटर है। ये टूटकर 7 रेटिंग से युक्त हैं, जिससे मौसम एवं पानी के प्रभाव से इनके सुरक्षित रहने की क्षमता बेहतर होती है। रात के समय इनकी स्लैब रोशनी सड़क के किनारों और कर्ब की स्पष्ट पहचान कराने में मदद करेगी।

नगर निगम की इस पहल से ग्वालियर में स्मार्ट एवं आधुनिक शहरी अधोसंरचना को बढ़ावा मिलेगा तथा आने वाले समय में आवश्यकता के अनुसार अन्य प्रमुख मार्गों और सार्वजनिक स्थलों पर भी इस प्रकार की आधुनिक प्रकाश व्यवस्था को विस्तार दिया जा सकेगा।
सहायक सिटी प्लानर श्री अमित गुप्ता ने बताया कि स्लैब कर्ब स्टोन का प्रमुख उद्देश्य रात के समय सड़कों की दृश्यता बढ़ाना है। विशेष रूप से ऐसे मार्ग, जहां पर्याप्त स्ट्रीट लाइट की

सुविधा नहीं है अथवा सड़क के किनारे स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं देते, वहां ये कर्ब स्टोन वाहन चालकों को सड़क की सीमा एवं दिशा का संकेत देने में सहायक होंगे। कर्ब स्टोन में आवश्यकता के अनुसार डायनामिक रंग परिवर्तन की सुविधा का भी उपयोग किया जा सकता है। उदाहरण के लिए ट्रैफिक सिग्नल के अनुरूप लाल रंग के माध्यम से वाहन चालकों को चेतावनी देने तथा विभिन्न स्थानों पर अलग-अलग रंगों के माध्यम से मार्ग, दिशा अथवा प्रतिबंधों की

जानकारी देने में इनका उपयोग किया जा सकता है। नगर निगम की इस पहल के अंतर्गत स्लैब कर्ब स्टोन का उपयोग केवल सड़क किनारों तक सीमित नहीं रहेगा। इनका उपयोग साइकिल ट्रैक, बस लेन, ट्रैफिक आइलैंड, पार्किंग क्षेत्र, सार्वजनिक पार्क एवं प्लाजा जैसे स्थानों पर भी किया जा सकता है। साइकिल ट्रैक एवं बस लेन को मुख्य यातायात मार्ग से स्पष्ट रूप से अलग दिखाने में इनकी रोशनी उपयोगी होगी। वहीं पार्किंग क्षेत्रों में कलर-कोडेड स्लैब लाइटिंग के माध्यम से पार्किंग की

शहर की सुंदरता के साथ सुरक्षा पर भी जोर

नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि शहर के विकास एवं सौंदर्यीकरण के कार्यों में आधुनिक तकनीक के साथ-साथ नागरिकों की सुविधा और सुरक्षा को भी प्राथमिकता दी जाए। इसी क्रम में LED कर्ब स्टोन की पहल को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

दिशा, उपलब्ध स्थान तथा अन्य आवश्यक संकेतों को अधिक प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया जा सकेगा।



अपर आयुक्त ने सुनी आमजन की समस्याएँ, दिए निराकरण के निर्देश

ग्वालियर, जीएनएस।
आमजनों की विभिन्न मूलभूत सुविधाओं से संबंधित समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए जनसुनवाई आयोजित की गई। जिसमें नगर निगम ग्वालियर में अपर आयुक्त टी प्रतीक राव, श्री प्रदीप सिंह तोमर एवं श्री मुनीष सिकरवार ने आमजनों की समस्याएं सुनकर उनके निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई के दौरान अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। सिटीसेंटर स्थित निगम मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई में वार्ड 55 शिवाजी नगर के निवासी गणों ने शिवाजी नगर आमखो पर शासकीय नाले पर किये गए अवैध कब्जे को हटवाये जाने के संबंध में, वार्ड 58 चेतकपुरी के निवासी गणों ने जी-1 ई-16 ब्लॉक में अमृत योजना के

तहत पेयजल लाइन डलवाये जाने के संबंध में, वार्ड 29 शारदा विहार न्यू हाईकोर्ट के पास निवासी श्रीमती कनक शर्मा ने गंदे पानी की समस्या के संबंध में, वार्ड 1 में 20 सूत्रीय नगर निवासी श्री जयराम पाल ने आवेदन देकर बताया कि उनके घर के पीछे भैंस डेयरी में लगभग 40 भैंसे रखी गई है।
डेयरी संचालक द्वारा भैंसे नहलाने और सफाई करने पर गंदा पानी और गोबर घरों तक आता है तथा गोबर सीवर में बहाया जाता है, आवेदक ने उचित कार्यवाही सहित अन्य आवेदकों ने अपने आवेदन अपर आयुक्त को दिए। जिस पर अपर आयुक्त ने कुछ समस्याओं का निराकरण त्वरित करते हुए बाकी समस्याओं के निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

मुख्य मार्गों पर कराई पेंच रिपेयरिंग

ग्वालियर। नगर निगम ग्वालियर द्वारा नागरिकों की सुविधा एवं सुगम यातायात के लिए बरसात के बाद सड़कों पर पेंच रिपेयरिंग का कार्य निरंतर तेजी के साथ किया जा रहा है। सहायक यंत्री श्री अमित गुप्ता ने बताया कि नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देशानुसार निगम के अमले द्वारा निरंतर सुगम यातायात एवं आम नागरिकों की सुविधा के लिए विभिन्न सड़कों पर पेंच रिपेयरिंग का काम किया जा रहा है। जिसके तहत आज राधापुरम गली नम्बर-2 डीपीसी गली मोड तक, मंषा देवी माता मंदिर झांसी रोड पर, शील नगर, टीपीटी लाइन मोहनपुर, साई नगर फेस-2, हरिशंकरपुरम, पारस विहार कॉलोनी नाका चन्द्रबदनी, नगर निगम कॉलोनी मुरार, न्यू ग्रेसिम विहार कॉलोनी, घोसीपुरा बीजासेन माता मंदिर, आनंदपुर ट्रस्ट रोड श्रीराम मिश्रान भंडार के सामने, अलंकार होटल, शताब्दीपुरम, शुभांजली पुरम, चिरवाई नाका पिंपरीली, हनुमान चौराहा से जीवाजीगंज, पटेल नगर सिटी सेंटर क्षेत्र सहित अन्य मुख्य मार्गों पर पेंच रिपेयरिंग कर यातायात को सुगम बनाया गया।

निगमायुक्त ने की पीआईयू, स्मार्ट सिटी एवं एनकैप के कार्यों की समीक्षा

ग्वालियर, जीएनएस।
नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी ने पीआईयू, एनकैप एवं स्मार्ट सिटी के कार्यों की समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। बैठक में अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव, कार्यपालन यंत्री श्री पवन शर्मा, सहायक सिटी प्लानर श्री अमित गुप्ता, सहायक यंत्री श्री अजय शाक्यवार, श्री मनीष यादव एवं

भवन अधिकारी राजीव सोनी, कार्यालय अधीक्षक श्री जोहेब सिद्दीकी उपस्थित रहे।
बाल भवन में आयोजित बैठक में नगर निगम आयुक्त ने पीआईयू द्वारा किये जा रहे कार्यों की समीक्षा की जिसमें संबंधित अधिकारियों द्वारा विभिन्न कार्यों की जानकारी दी गई। जिसमें गौशाला में 400 किवा. के सोलर प्लांट, इंटरलॉकिंग टाइल्स के कार्य, पेवर कार्य सहित

विभिन्न कार्यों की जानकारी दी। इसके साथ ही वर्टिकल गार्डन, मिस्ट कूलिंग सिस्टम एवं सीएंडडी वेस्ट के प्लांट के संबंध में चर्चा की गई। इसके साथ ही स्मार्ट सिटी के कार्यों के बारे में संबंधित अधिकारियों द्वारा जानकारी दी गई। जिसमें निगमायुक्त श्री चौधरी ने सभी कार्यों को समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बीड़ी श्रमिकों के बच्चों के लिए छात्रवृत्ति आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ी

ग्वालियर, जीएनएस।
श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने बीड़ी श्रमिकों के बच्चों के लिए दी जाने वाली छात्रवृत्ति के आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। मंत्रालय द्वारा पहली कक्षा से उच्च शिक्षा तक अध्ययन करने वाले पात्र विद्यार्थियों को 1,000 रुपए से 25,000 रुपए तक की छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।
बीड़ी श्रमिक परिवारों

के जिन पात्र विद्यार्थियों ने अभी तक छात्रवृत्ति के लिए आवेदन नहीं किया है, वे नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर आवेदन प्रक्रिया 1 जून से शुरू हुई थी।
प्रो-मैट्रिक (कक्षा 1 से 10 तक) छात्रवृत्ति के आवेदन की अंतिम तिथि पहले 30 सितंबर

2026 निर्धारित थी, जिसे बढ़ाकर अब 31 अक्टूबर 2026 कर दिया गया है। वहीं पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए आवेदन की अंतिम तिथि पहले से ही 31 अक्टूबर 2026 निर्धारित है। पात्र बीड़ी श्रमिक परिवारों के विद्यार्थियों से निर्धारित समय-सीमा के भीतर छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करने की अपील की गई है।

अवैध अतिक्रमण को हटाकर यातायात को बनाया सुगम

ग्वालियर, जीएनएस।
शहर में यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने और अवैध अतिक्रमण से मुक्ति दिलाने के लिए नगर निगम, जिला प्रशासन और पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से शहर के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक कार्रवाई की गई। इस दौरान सड़कों से अवैध दुकानों, हाथ-ठेलों और अस्थायी अतिक्रमणों को हटाया गया।
मदाखलत के नोडल

अधिकारी श्री केशव सिंह चौहान ने बताया कि नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देश मदाखलत अमले ने ग्वालियर विधानसभा के स्वास्थ्य अधिकारी श्री अजय सिंह ठाकुर के निर्देशन में मदाखलत दल एवं स्वास्थ्य अमले की संयुक्त टीम द्वारा चार शहर का नाका रोड ग्वालियर पर दुकानदारों द्वारा दुकानों के बाहर सड़क पर गंदगी फैलाने एवं

डस्टबिन का उपयोग न करने पर जुर्माना लगाया और भविष्य में गंदगी न फैलाने की हिदायत दी गई।
इसके साथ ही पूर्व विधानसभा अंतर्गत कालपी ब्रिज पेट्रोल पंप के सामने, डीडी माल के पीछे, सिंहपुर रोड पर अवैध अतिक्रमण को हटाया गया। साथ ही दक्षिण विधानसभा में गोल पहाड़िया एवं रॉकसी पुल से यातायात

अवरूद्ध हाथ ठेले को हटवाया गया। साथ ही दुकानदारों के दुकान के बाहर रखे सामान को मदाखलत द्वारा हटवाया गया एवं बेटी बचाओ चौराहा तक संचालित मीट और मछली की दुकानों के दुकानदारों को वाहन द्वारा एनाउंसमेंट कर गुमटियों को हटाने की हिदायत दी गई। साथ ही ग्रामीण विधानसभा में लाल टिपारा गौशाला स्थित शासकीय स्कूल में बंधी हुई

भैसों को हटाने की कार्यवाही की गई एवं हिदायत दी गई की दोबारा बांधने पर जल्दी की जाएगी।
साथ ही कंट्रोल रूम पर प्राप्त शिकायतों के आधार पर शहर भर से लम्पीग्रस्त गोवंश को उठाकर उपचार हेतु आइसोलेशन सेंटर रतवाई गौशाला छोड़ा गया एवं घायल बीमार गौ वंश को उपचार हेतु लाल टिपारा गौशाला छोड़ा गया।

भिण्ड-गोस्मी
के
समाचार
विज्ञापन
के लिए सम्पर्क करें
महेश चौधरी
98267-36233

श्रीजी
Har Khushi Ki Pahali Pasand
SCAN TO SHOP
OUR NEW PRODUCT

શ્રમસાધના

संपादकीय

बिहार के विकास के बिना पूरा नहीं होगा विकसित भारत का सपना

भारत वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। ऐसे में 13 करोड़ की आबादी वाले बिहार की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। देश के शीर्ष राज्यों की आर्थिक प्रगति अपनी जगह है, लेकिन जब तक बिहार अपनी पूरी क्षमता के साथ आर्थिक उत्पादन, नवाचार और औद्योगिक विकास का केंद्र नहीं बनता, विकसित भारत का सपना अधूरा रहेगा।

बिहार का आर्थिक परिदृश्य अब पिछड़ेपन की पुरानी धारणा से आगे निकल रहा है। वर्ष 2024-25 में राज्य की जीएसडीपी वृद्धि दर स्थिर मूल्यों पर 8.6 प्रतिशत और वर्तमान मूल्यों पर 13.1 प्रतिशत रही, जो राष्ट्रीय औसत से अधिक है। राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक के अनुसार राज्य में बहुआयामी गरीबी 2015-16 के 51.89 प्रतिशत से घटकर 2023 में 33.76 प्रतिशत रह गई है।

बिहार का पिछड़ापन किसी स्थायी नियति का परिणाम नहीं, बल्कि ऐतिहासिक और संरचनात्मक परिस्थितियों का असर रहा है। मगध और वैशाली ने भारत को साम्राज्य, गणराज्य और अर्थशास्त्र की समृद्ध परंपरा दी। नालंदा और विक्रमशिला जैसे विश्वविद्यालय कभी विश्वभर के विद्यार्थियों के लिए ज्ञान के प्रमुख केंद्र थे। बाद के दौर में इन केंद्रों के विनाश और औपनिवेशिक नीतियों ने राज्य की आर्थिक और सामाजिक संरचना को गहरा नुकसान पहुंचाया।

1793 की स्थायी बंदोबस्त व्यवस्था ने कृषि अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया। वहीं 1952 की माल भाड़ा समानीकरण नीति ने बिहार के खनिज आधारित औद्योगिक लाभ को कम कर दिया। राज्य विभाजन के बाद खनिज संपदा और भारी उद्योग का बड़ा हिस्सा झारखंड में चला गया।

आज बिहार के सामने सबसे बड़ी ताकत उसकी युवा आबादी है। राज्य की आधी से अधिक आबादी 25 वर्ष से कम आयु की है। प्रशासनिक सेवाओं सहित विभिन्न क्षेत्रों में बिहार की प्रतिभा देशभर में अपनी पहचान बना रही है। आवश्यकता इस बात की है कि पलायन को 'ब्रेन ड्रेन' के बजाय 'रिवर्स ब्रेन गेन' में बदला जाए और इसके लिए स्थानीय रोजगार तथा उद्यम का मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र तैयार किया जाए।

गंगा पर राष्ट्रीय जलमार्ग-1 बिहार को हल्दिया और कोलकाता बंदरगाहों के माध्यम से वैश्विक व्यापार से जोड़ता है। पटना, भागलपुर और सारण में प्रस्तावित बहु-मॉडल लॉजिस्टिक पार्क व्यापार और परिवहन को नई गति दे सकते हैं। मखाना, शाही लीची, मक्का और केला जैसे उत्पादों के लिए खाद्य प्रसंस्करण केंद्र किसानों की आय बढ़ा सकते हैं। बौद्ध, रामायण, जैन और सिख पर्यटन सर्किट भी रोजगार और विदेशी मुद्रा अर्जन के बड़े माध्यम बन सकते हैं। बिहार के आर्थिक रूपांतरण के लिए चरणबद्ध राष्ट्रीय कार्ययोजना जरूरी है। वर्ष 2026 से 2030 तक बुनियादी ढांचे और संस्थागत वित्तपोषण को मजबूत करना होगा। 2031 से 2040 के बीच विनिर्माण, सूचना प्रौद्योगिकी, सेमीकंडक्टर पैकेजिंग और हरित हाइड्रोजन जैसे क्षेत्रों पर जोर देना होगा। 2041 से 2047 तक ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था और नवाचार के माध्यम से प्रति व्यक्ति आय को राष्ट्रीय औसत के करीब लाने का लक्ष्य होना चाहिए। महिला श्रमबल भागीदारी को भी 45 प्रतिशत से ऊपर ले जाना आवश्यक है।

ग्रान्तीय कार्यालय : 76 शबरी कॉम्पलेक्स, एम.पी. नगर
जोन-2 भोपाल, फोन : 0755-2579530

प्रांतीय ब्यूरो प्रमुख : एल.एन. तवर, 9827781209

प्रान्तीय ब्यूरो : डॉ. जानकी अहिरवार 9406580345

Email:shramsadhnagwl@gmail.com

ग्वालियर शिवपुरी से प्रकाशित

8 अक्टूबर 2026 भारतीय वायुसेना दिवस पर विशेष

आसमान का अभेद्य प्रहरी : ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय वायुसेना की निर्णायक भूमिका

सुरेश सिंह बैस ÷शाश्वत÷

किसी भी राष्ट्र की संप्रभुता और सीमाओं की सुरक्षा तभी सुनिश्चित रह सकती है, जब उसकी सेनाएं सजग, सक्षम और आधुनिक युद्ध तकनीक से लैस हों। भारतीय सशस्त्र सेनाओं के तीनों अंग- थल सेना, नौसेना और वायुसेना ; अपने-अपने क्षेत्र में राष्ट्र की सुरक्षा का दायित्व निभाते हुए आवश्यकता पड़ने पर संयुक्त रूप से सैन्य शक्ति का प्रदर्शन करते हैं। इस त्रिशक्ति में भारतीय वायुसेना देश के आकाश की प्रहरी है।

हर वर्ष 8 अक्टूबर को भारतीय वायुसेना दिवस मनाया जाता है। 8 अक्टूबर 1932 को भारतीय वायुसेना की आधिकारिक स्थापना हुई थी। इसकी पहली परिचालन उड़ान 1 अप्रैल 1933 को कराची के ड्रिग रोड से छह आरएएफ-प्रशिक्षित अधिकारियों, 19 वायु सैनिकों और चार वेस्टलैंड वापिटी विमानों के साथ हुई थी। तब से लेकर आज तक भारतीय वायुसेना ने एक छोटे से आरंभिक दल से आधुनिक, नेटवर्क-केन्द्रित और बहुआयामी वायु शक्ति तक का लंबा सफर तय किया है।

2026 में भारतीय वायुसेना अपना 94वां स्थापना दिवस मना रही है। यह अवसर केवल उसकी गौरवशाली विरासत को याद करने का नहीं, बल्कि बदलते युद्ध परिवेश में उसकी बढ़ती तकनीकी क्षमता, आत्मनिर्भरता और भविष्य की तैयारियों को समझने का भी अवसर है।

आज का युद्ध केवल जमीन पर
सैनिकों और टैंकों तक सीमित नहीं है।



आधुनिक युद्ध में हवा, अंतरिक्ष,

साइबर और इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र का महत्व तेजी से बढ़ा है। लंबी दूरी के हथियार, मानवरहित विमान, ड्रोन, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली, रडार नेटवर्क और वास्तविक समय में सूचना का आदान-प्रदान युद्ध की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भारतीय वायुसेना ने भी इस बदलती युद्ध प्रणाली के अनुरूप स्वयं को लगातार आधुनिक बनाया है। राफेल जैसे अत्याधुनिक लड़ाकू विमान, स्वदेशी तेजस, सुखोई-30 एमकेआई, मिराज-2000 और अन्य प्लेटफॉर्म के साथ वायुसेना के पास विभिन्न प्रकार की वायु एवं मिसाइल रक्षा प्रणालियां हैं। स्वदेशी आकाश जैसी प्रणालियों का उपयोग भारत की बढ़ती रक्षा आत्मनिर्भरता को भी दर्शाता है। 2025 में रक्षा मंत्रालय ने ऑपरेशन सिंदूर के संदर्भ में स्वदेशी आकाश प्रणाली और बहुस्तरीय वायु रक्षा व्यवस्था के प्रभावी उपयोग को

रेखांकित किया था।

ऑपरेशन सिंदूर ने नई रणनीतिक क्षमता का प्रदर्शन किया। 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद भारत ने आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई का संकल्प लिया। इसके परिणामस्वरूप 7 मई 2025 को भारतीय सशस्त्र सेनाओं ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। सरकार के अनुसार पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में स्थित आतंकवादी ढांचे से जुड़े नौ ठिकानों को निशाना बनाया गया। भारत ने प्रारंभिक कार्रवाई को केन्द्रित, मापी हुई और गैर-उत्तेजक बताते हुए कहा कि उस चरण में पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठानों को लक्ष्य नहीं बनाया गया था। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय वायुसेना की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण रही। सरकारी विवरण के अनुसार वायुसेना ने आतंकवादी ढांचे के विरुद्ध सटीक हवाई कार्रवाई की और बाद में पाकिस्तान की ओर से

[illegible]

यही आधुनिक युद्ध की वास्तविक तस्वीर है, सिर्फ लड़ाकू विमान की गति या हथियार की मारक क्षमता नहीं, बल्कि खुफिया जानकारी, लक्ष्य की पहचान, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध, संचार, रडार, वायु रक्षा और तीनों सेनाओं के बीच समन्वय मिलकर सैन्य क्षमता को निर्णायक बनाते हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की ओर से ड्रोन और यूएवी के माध्यम से भारतीय सैन्य एवं अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों को निशाना बनाने के प्रयास किए गए। सरकारी विवरण के अनुसार भारत की बहुस्तरीय वायु रक्षा व्यवस्था ने इन खतरों से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसमें स्वदेशी आकाश सहित विभिन्न वायु रक्षा प्रणालियों और काउंटर-यूएस क्षमताओं का इस्तेमाल किया गया। इस घटनाक्रम ने यह स्पष्ट किया कि भविष्य के युद्धों में केवल लड़ाकू विमानों की संख्या महत्वपूर्ण नहीं होगी। सेंसर से शूटर तक की पूरी नेटवर्क व्यवस्था, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध क्षमता, मिसाइल रक्षा और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता किसी भी देश की वास्तविक वायु शक्ति का निर्धारण करेगी।

लोकतंत्र में सबसे महत्वपूर्ण जनता का विश्वास

सौरभ वाष्पूर्य

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत उसकी चुनाव प्रणाली और जनता का मताधिकार है। सत्ता बदलने का अधिकार जनता के पास है और इसी अधिकार की विश्वसनीयता लोकतंत्र की बुनियाद को मजबूत करती है। लेकिन जब चुनाव प्रक्रिया पर ही सवाल उठने लगे, मतदाता सूची की शुद्धता को लेकर संदेह पैदा हो और विपक्ष चुनाव प्रणाली में कथित अनियमितताओं के आरोप लगाते हुए सड़क पर उतर आए, तो यह केवल किसी राजनीतिक दल का विरोध नहीं रह जाता, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता से जुड़ा गंभीर प्रश्न बन जाता है। इसलिए लोकतंत्र में सबसे महत्वपूर्ण है जनता का विश्वास है। अगर यह विश्वास खो गया तो लोकतंत्र का अस्तित्व ही खो जायेगा? इस पर लोकतंत्र के चौकीदारों को सोचा पड़ेगा समझना पड़ेगा। जनता के अंदर यह विश्वास दिलाना होगा कि आपका वोट सुरक्षित है।

राजधानी दिल्ली में मंगलवार को जो राजनीतिक घटनाक्रम देखने को मिला, उसने इस बहस को और तेज कर दिया। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी इंडिया गठबंधन के मार्च की धुरी बने और विपक्षी सांसद संसद भवन से निर्वाचन आयोग के मुख्यालय की ओर मार्च करने निकले, लेकिन पुलिस ने उन्हें संसद मार्ग पर ही रोक दिया। इसके बाद सड़क पर धरना, हिरासत

और फिर आकाशवाणी भवन परिसर में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड़ा तथा अन्य नेताओं का करीब नौ घंटे तक चला विरोध प्रदर्शन भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम के रूप में सामने आया। राहुल गांधी की हिरासत और उनके साथ बड़ी संख्या में विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारी ने राजनीतिक टकराव को और तीखा कर दिया। देर रात सभी को छोड़ दिया गया, लेकिन इस घटनाक्रम ने एक बुनियादी सवाल जरूर खड़ा किया है। क्या चुनावी प्रक्रिया को लेकर उठ रहे सवालों का समाधान राजनीतिक टकराव से होगा या संस्थागत संवाद से? विपक्ष का आरोप है कि मतदाता सूची और चुनाव प्रणाली में ऐसी अनियमितताएं हो रही हैं जो लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती हैं। राहुल गांधी ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर गंभीर आरोप लगाए तथा वोट चोरी के जरिए देश को हाईजैक करने तक की बात कही। उन्होंने इसे देशद्रोह बताया और कहा कि ऐसा करने वाले बच नहीं पाएंगे। इन आरोपों की गंभीरता को देखते हुए इनका राजनीतिक भाषणों तक सीमित रह जाना उचित नहीं होगा। यदि आरोप गलत हैं तो उन्हें तथ्यों के साथ खारिज किया जाना चाहिए और यदि किसी स्तर पर चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी के

प्रमाण हैं तो उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। लोकतंत्र में आरोप और प्रत्यारोप से अधिक महत्वपूर्ण तथ्य और प्रमाण होते हैं। दूध का दूध पानी का पानी होना चाहिए।

यहाँ निर्वाचन आयोग की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण हो जाती है। चुनाव आयोग केवल चुनाव कराने वाली संस्था नहीं है, बल्कि उसकी निष्पक्षता पर जनता का विश्वास चुनाव परिणामों की स्वीकार्यता का आधार है। इसलिए जब देश का प्रमुख विपक्षी दल चुनाव प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर सवाल उठाता है, तब आयोग को इसे केवल राजनीतिक बयान मानकर खारिज करने के बजाय जनता के सामने अधिकतम पारदर्शिता के साथ तथ्यों को रखना चाहिए। इसी तरह विपक्ष की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। लोकतंत्र में सरकार से सवाल पूछना उसका अधिकार है, लेकिन गंभीर आरोपों के साथ ठोस प्रमाण प्रस्तुत करना उसकी जिम्मेदारी भी है। वोट चोरी जैसा आरोप सामान्य राजनीतिक आरोप नहीं है। यह करोड़ों मतदाताओं के विश्वास और पूरी चुनाव प्रक्रिया पर प्रश्नचिह्न लगाता है। इसलिए यदि विपक्ष के पास प्रमाण हैं तो उन्हें सार्वजनिक और संवैधानिक संस्थाओं के समक्ष रखना चाहिए। केवल नारों और राजनीतिक आक्रोश से लोकतंत्र की विश्वसनीयता मजबूत नहीं हो सकती। दूसरी ओर, सत्ता पक्ष को भी विपक्ष के सवालों को देशविरोध या लोकतंत्र विरोध के चरम से देखने से

बचना होगा। लोकतंत्र में असहमति व्यवस्था की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी ताकत है। यदि विपक्ष सवाल पूछता है तो सरकार और संवैधानिक संस्थाओं का दायित्व है कि वे सवालों का जवाब दें। सवालों से बचने के बजाय पारदर्शिता के जरिए संदेह दूर करना अधिक प्रभावी रास्ता है। मंगलवार का घटनाक्रम इस दृष्टि से भी चिंताजनक है कि देश की संसद से निकले निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को निर्वाचन आयोग तक मार्च करने से रोक दिया गया और बाद में उन्हें हिरासत में लिया गया। कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की जिम्मेदारी है, लेकिन लोकतांत्रिक विरोध को किस सीमा तक रोका जाए, यह भी लोकतंत्र की परिपक्वता की कसौटी है। शांतिपूर्ण विरोध, धरना और अपनी बात रखने का अधिकार लोकतांत्रिक व्यवस्था का अभिन्न हिस्सा है। वहीं इस संबंध में केंद्रीय निर्वाचन आयोग ने कहा कि किसी ने मिलने का समय नहीं मांगा तो ऐसे में जब विपक्ष मिलने आ रहा है तो खुले दिन से स्वागत करना चाहिए। उनका समाधान करना चाहिए। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में चुनाव केवल पांच वर्ष में एक बार होने वाली प्रक्रिया नहीं है। चुनाव जनता के विश्वास का उत्सव है। बूथ पर खड़ा मतदाता जब अपना वोट डालता है तो उसे यह भरोसा होना चाहिए कि उसका मत सुरक्षित है, उसकी पसंद का सम्मान होगा और चुनाव परिणाम निष्पक्ष प्रक्रिया का परिणाम होंगे।

अग्रसेन जयंती महोत्सव: 'बंधन रिश्तों का उत्सव' अग्रज रूप की अनूठी पेशकश

गुना, जीएनएस।
महाराजा श्री अग्रसेन जी की 5150 वीं जयंती महोत्सव के अवसर पर अग्रज रूप द्वारा आयोजित विवाह थीम पर आधारित विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम 'बंधन' रिश्तों का उत्सव सोमवार को नारायणा गार्डन में भव्यता और पारंपरिक रंगों के साथ संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं महाराजा श्री अग्रसेन के चित्र पर माल्यार्पण कर की गई जिसमें अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश अग्रवाल, अग्रवाल ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रदीप मित्तल, सचिव इंजी अनिल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश सिंघल, उपाध्यक्ष जगमोहन बंसल, सहसचिव जुगल अग्रवाल, संग्राहक मनोज बिंदल, अग्रज रूप के अध्यक्ष गौरव गर्ग एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में अग्रवाल समाज की पारंपरिक विवाह पद्धति, पारिवारिक रिश्तों, संस्कारों और मारवाड़ी परंपराओं को गीत, संगीत, नृत्य, अभिनय और मंचीय प्रस्तुतियों के माध्यम से बेहद आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम की सबसे बड़ी विशेषता रही कि पूरे विवाह समारोह को एक क्रमबद्ध कहानी के रूप में मंच पर प्रस्तुत किया गया। रिश्ता पक्का होने से शुरू हुई विवाह यात्रा सगाई, बान सांकड़ी, हल्दी, बामण बिंदौरी, रातीजगा, मायरा, बारात, वरमाला, फेरे, विदाई और नववधू के गृह प्रवेश तक पहुंची। प्रत्येक रस्म के पीछे छिपे पारिवारिक भाव, सामाजिक परंपरा और रिश्तों की आत्मीयता को प्रस्तुति के माध्यम से दर्शाया गया।

मंच पर प्रस्तुत विवाह की विभिन्न रस्मों ने दर्शकों को पारंपरिक विवाह समारोह की यादों से जोड़ दिया। कहीं बेटी के विवाह की खुशी और भावुकता दिखाई दी तो कहीं मायरे और बिंदौरी में परिवार एवं समाज की सामूहिक सहभागिता का रंग देखने को मिला। बारात और वरमाला की प्रस्तुतियों ने माहौल को उत्सवमय बनाया, वहीं विदाई और गृह प्रवेश के प्रसंगों ने दर्शकों को भावुक कर दिया। 'बंधन' की मूल भावना यही रही कि विवाह केवल दो व्यक्तियों का मिलन नहीं, बल्कि दो परिवारों, अनेक रिश्तों और पीढ़ियों के संस्कारों का मिलन है। कार्यक्रम



के माध्यम से उन पारंपरिक रस्मों को नई पीढ़ी के सामने रखने का प्रयास किया गया, जो बदलते समय के साथ धीरे-धीरे हमारी दैनिक जीवनशैली से दूर होती जा रही हैं। पूरे कार्यक्रम में परंपरा और आधुनिक मंचीय प्रस्तुति का सुंदर समन्वय देखने को मिला। रंग-बिरंगे परिधानों, पारंपरिक सज्जा, संगीत और नृत्य ने विवाह समारोह का ऐसा वातावरण बनाया कि दर्शकों को लगा मानो वे स्वयं किसी पारंपरिक अग्रवाल विवाह का हिस्सा हों।

ओखली-मूसल एवं सूप सजावट प्रतियोगिता ने भी बांधा समां

कार्यक्रम के साथ अग्रज रूप द्वारा 'ओखली-मूसल एवं सूप सजावट प्रतियोगिता' का आयोजन भी किया गया। अग्रवाल विवाह की

पारंपरिक रस्मों में ओखली-मूसल एवं सूप का विशेष महत्व होता है। इसी परंपरा को ध्यान में रखते हुए प्रतियोगिता में इन वस्तुओं को रचनात्मक और कलात्मक रूप देकर सजाने की कला देखने को मिली। प्रतियोगिता का मूल्यांकन सीमा शर्मा एवं भारती चौहान द्वारा किया गया। प्रतिभागियों की रचनात्मकता, सजावट, पारंपरिक स्वरूप, उपयोगिता एवं प्रस्तुति को आधार बनाकर निर्णय किया गया।

प्रतियोगिता में प्रथम स्थान डू आरती गोयल, पत्नी मनीष गोयल

द्वितीय स्थान डू नंदिनी सिंघल, पत्नी अक्षत सिंघल

तृतीय स्थान डू निशिका गर्ग, पुत्री दीपक गर्ग ने प्राप्त किया।

प्रतियोगिता में प्रतिभागियों के उत्साह और सहभागिता को

प्रोत्साहित करने के लिए 10 सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किए गए। इससे प्रतियोगिता में शामिल प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ा और अधिक से अधिक लोगों को अपनी रचनात्मकता प्रदर्शित करने का अवसर मिला।

प्रतियोगिता ने यह भी दर्शाया कि अग्रवाल विवाह की पारंपरिक रस्मों से जुड़ी वस्तुएं केवल हमारे अतीत की पहचान नहीं हैं, बल्कि उन्हें रचनात्मकता के साथ आज भी नई पीढ़ी के सामने आकर्षक रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है।

अग्रवाल बिजनेस डायरेक्टरी का भी हुआ लोकार्पण

कार्यक्रम के दौरान अग्रज रूप की सामाजिक एवं व्यावसायिक पहल 'अग्रवाल बिजनेस डायरेक्टरी' लोकार्पण अग्रवाल समाज के अध्यक्ष श्री प्रदीप मित्तल एवं व्यापार संघ अध्यक्ष राजेश अग्रवाल द्वारा किया गया। इस पहल का उद्देश्य समाज के विभिन्न व्यवसायियों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों एवं सेवा प्रदाताओं को

एक साझा मंच पर लाना है, ताकि समाज के लोग एक-दूसरे के व्यवसाय से परिचित हो सकें और आवश्यकता के समय अपने ही समाज के व्यवसाय एवं सेवाओं

को प्राथमिकता दे सकें। अग्रज रूप की इस पहल को 'अपने समाज के व्यापार को जानें, जुड़ें और प्राथमिकता दें' की भावना से जोड़कर देखा गया।

कार्यक्रम की सफलता में अग्रज रूप के फाउंडर मेंबर्स अमितकुंजना गर्ग, अतुलकुंजना अग्रवाल, रितेशकुंजना अग्रवाल एवं दीपककुंजना मंगल का मार्गदर्शन एवं सहयोग रहा। वहीं अग्रज रूप अध्यक्ष गौरवकुंजना गर्ग एवं सचिव गौरवकुंजना गोयल सहित रूप के सभी सदस्यों की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम की सबसे उल्लेखनीय बात यह रही कि यह किसी एक व्यक्ति का कार्यक्रम न होकर पूरे अग्रज रूप की सामूहिक कल्पना, मेहनत और सहभागिता का परिणाम रहा। मंच के पीछे से लेकर मंच पर प्रस्तुतियों तक, विभिन्न जिम्मेदारियों में रूप के सदस्यों और परिवारों की भागीदारी दिखाई दी। समाजजनों ने 'बंधन' रिश्तों का उत्सव की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन मनोरंजन के साथ-साथ समाज की परंपराओं, संस्कारों और पारिवारिक मूल्यों को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

ग्वालियर व्यापार मेले में दुकानों का आवंटन एमपी ऑनलाइन से होगा

नो-ड्यूज की सुविधा भी ऑनलाइन, कलारंग मंच हॉल में कियोस्क सेंटर स्थापित

ग्वालियर, जीएनएस।
ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण द्वारा श्रीमंत माधवराव सिंधिया ग्वालियर व्यापार मेले का आयोजन 15 दिसम्बर 2026 से 15 फरवरी 2027 तक किया जायेगा। वर्ष 2026-27 के लिये मेले में दुकानों का आवंटन एमपी ऑनलाइन के माध्यम से किया जायेगा।

मेला सचिव श्री सुनील त्रिपाठी ने बताया है कि दुकानों के आवंटन संबंधी समस्त प्रक्रिया

ऑनलाइन रहेगी। दुकानदारों एवं व्यापारियों को नो-ड्यूज की सुविधा भी ऑनलाइन रहेगी। मेला दुकानदार एवं व्यापारी वर्ष 2025-26 की बकाया राशि कवर्ड एरिया, अतिरिक्त विद्युत लोड, निर्धारित समय के उपरांत दुकान लगाने की पेनल्टी राशि जमा करने के उपरांत एनओसी ऑनलाइन प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने सभी दुकानदारों से कहा है कि एमपी ऑनलाइन पर आवेदन करने, कवर्ड एरिया, अतिरिक्त विद्युत शुल्क, निर्धारित समय उपरांत दुकान लगाने की पेनल्टी आदि जमा कराने के उपरांत आगामी वर्ष 2026-27 के लिये

दुकान प्राप्त करने हेतु पात्र होंगे। दुकानदारों की सुविधा के लिये दुकानों का आवेदन ऑनलाइन करने के लिये मेला परिसर के कलारंग मंच हॉल में दुकान आवंटन के लिये कियोस्क सेंटर भी स्थापित किया गया है। इसके माध्यम से दुकानदारों को ऑनलाइन दुकान आवंटन की प्रक्रिया में सहयोग किया जायेगा।

मेला व्यापारी एवं दुकानदारों को ऑनलाइन संबंधी कोई समस्या हो तो एमपी ऑनलाइन के प्रभारी श्री आशीष सक्सेना मोबा. 7049923890 पर संपर्क कर अपनी समस्या का निराकरण करा सकते हैं।

बालिकाओं एवं महिलाओं के लिए निःशुल्क आत्मरक्षा प्रशिक्षण 15 से 17 अक्टूबर तक KRG कॉलेज में

ग्वालियर, जीएनएस।

बालिकाओं एवं महिलाओं को आत्मविश्वासी, सुरक्षित एवं आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से Rotary Club of Gwalior Heritage एवं दुर्वाकुर लोक कल्याण समिति के संयुक्त तत्वावधान में 15, 16 एवं 17 अक्टूबर 2026 को शासकीय KRG कॉलेज, ग्वालियर में तीन दिवसीय निःशुल्क आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस विशेष प्रशिक्षण के लिए वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर श्री बलवंत सिंह देवड़ा जी विशेष रूप से पहली बार ग्वालियर पधार रहे हैं। उनके द्वारा बालिकाओं एवं महिलाओं को आत्मरक्षा की विभिन्न

तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण का आयोजन दो बैचों में किया जाएगा। *प्रथम बैच प्रातः 8:00 बजे से 11:00 बजे तक* तथा *द्वितीय बैच दोपहर 3:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक* संचालित होगा। यह प्रशिक्षण पूर्णतः निःशुल्क रहेगा। कार्यक्रम के संबंध में *6 अक्टूबर 2026 को जिवाजी क्लब, ग्वालियर में प्रेस कॉन्फ्रेंस* आयोजित की गई, जिसमें दोनों संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने उपस्थित होकर कार्यक्रम की रूपरेखा, उद्देश्य एवं तैयारियों की जानकारी मीडिया प्रतिनिधियों को दी। इस अवसर पर Rotary Club of Gwalior Heritage की

ओर से *असिस्टेंट गवर्नर रोटेरियन गजेन्द्र सिंह कुशवाहा, अध्यक्ष रोटेरियन विवेक तिवारी, सचिव रोटेरियन जितेंद्र भदौरिया, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र श्रीवास्तव, पास्ट प्रेसिडेंट शरद भारद्वाज, पास्ट प्रेसिडेंट राकेश अग्रवाल एवं प्रशांत भदौरिया* उपस्थित रहे। वहीं *दुर्वाकुर लोक कल्याण समिति* की ओर से *अध्यक्ष सिमता नवीन पवार, उपाध्यक्ष सीमा भदौरिया, सचिव शोभा पाठक, सह सचिव आरती दांतरे, कोषाध्यक्ष किरण यादव, मंत्री सुनीता खानविलकर, सह मंत्री शोभा त्रिपाठी, सांस्कृतिक सचिव निशा जादौन, सह संस्कृति सचिव मोनिका राणा एवं क्रीड़ा सचिव पूजा बंसल उपस्थित रहीं।

सात दिन की भूख हड़ताल के बाद विभाग ने सुनी मांग, मनपुरा स्वास्थ्य केंद्र में 6 कर्मचारियों की ड्यूटी

शिवपुरी, जीएनएस।
प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मनपुरा में पर्याप्त स्वास्थ्यकर्मियों की तैनाती की मांग को लेकर पिछले सात दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे दिनेश सागर के आंदोलन के बाद स्वास्थ्य विभाग ने आखिरकार कदम उठाया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला शिवपुरी द्वारा जारी

राधा लोधी, श्री हर्षवर्धन पुरोहित, श्रीमती मनीषा कोली, श्री देवेन्द्र जाटव, श्रीमती रजनी सेन और श्री ज्योतिरादित्य पाठक को अलग-अलग स्वास्थ्य संस्थानों से मनपुरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में ड्यूटी के लिए भेजा गया है। आदेश के मुताबिक राधा लोधी की वर्तमान पदस्थापना प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खोड़, हर्षवर्धन पुरोहित एवं देवेन्द्र जाटव की प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रत्नौद, मनीषा कोली की सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पिछोर, रजनी सेन की उप स्वास्थ्य केंद्र बामोर डमरुन तथा ज्योतिरादित्य पाठक की प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सिरसौद में है।



जिला अध्यक्ष तथा पालिका अध्यक्ष ने क्षेत्रीय प्रभारी का किया स्वागत

जालौन, जीएनएस।

भाजपा पार्टी प्रदेश महामंत्री तथा बुंदेलखंड प्रभारी के जनपद आगमन पर जिला अध्यक्ष एवं पालिका अध्यक्ष ने स्थानीय भाजपाईयों के साथ माल्यार्पण कर अभूतपूर्व स्वागत किया बीते दिन शाम को कानपुर के हैं बुंदेलखंड कानपुर क्षेत्रीय प्रभारी शंकर लाल लोधी अपने अमले के साथ जैसे ही हाईवे समीप दुर्गा मंदिर चौराहे में आए उनके स्वागत के लिए पहले से मौजूद भाजपा जिला अध्यक्ष उर्विजा दीक्षित नगर पालिका परिषद अध्यक्ष अरविंद यादव समेत दोनों ने क्षेत्रीय प्रभारी का माल्यार्पण करके स्वागत किया वहीं क्षेत्रीय प्रभारी स्वागत पाकर गदगद हुए उन्होंने मौजूद स्थानीय कार्यकर्ताओं से उनके दुख दर्द को



जाना तथा भरोसा दिलाते हुए कहा कि कोई भी समस्या आप लोगों के बीच आए।

तत्काल आप बताएं आपकी सेवा के खातिर मैं सदैव समर्पित रहूंगा उनका काफिला उरई के लिए कूच कर गया स्वागत करने वालों में जिला उपाध्यक्ष अमित पांडे भाजपा नगर अध्यक्ष सुबोध द्विवेदी अनुसूचित मोर्चा जिला उपाध्यक्ष

रवींद्र कोरी संजय सविता मंडल उपाध्यक्ष अमरदीप पांडे छोटू विधायक उर्फ आकाश द्विवेदी पलका अध्यक्ष प्रतिनिधि रविंद्र यादव आशीष यादव अंजू गुप्ता गंगाराम प्रजापति देवेन्द्र साहू राजेंद्र साहू मनीष बाजपेई सभासद कन्हैया मिश्रा शिवकुमार यादव सभासद राकेश यादव आदि दर्जनों लोग मौजूद थे।

मेहगांव में यातायात सुधार करने हेतु थाना मेहगांव में टमटम तथा ऑटो चालकों को बुलाकर ली मीटिंग

मीटिंग में टमटम चालकों से किया सीधा संवाद दी सख्त हिदायत टमटम / ऑटो को भिंड ग्वालियर हाईवे रोड यहां वहां खड़ा नहीं करे, ऐसा करने से भिंड मेहगांव तिराहे पर जाम की गई स्थिति निर्मित हो जाती है।

टमटम /ऑटो चालक सवारी को रोड किनारे वाहन रोककर ही उतारे।टमटम के पीछे सवारी लटका कर नहीं चले मेहगांव मुख्य बाजार में रोड पर टमटम खड़ी नहीं करे ऐसा करने से बाजार सकरा होने से वहां

नाबालिक बालक/ बालिका यदि संदिग्ध अवस्था में बिना स्कूल या कॉलेज टाइम के टमटम में बैठकर कहीं जाता है तो उसका नाम पता आदि जानकारी नोट कर तत्काल उसकी सूचना थाने पर देने हेतु प्रेरित किया गया।

जब डाकिया झोले में खत नहीं, भावनाएं लेकर आता था

वीरेंद्र हीरालाल पथरिया
विश्व डाक दिवस पर उस दौर को याद करने की जरूरत है, जब डाकखाना केवल सरकारी दफ्तर नहीं, बल्कि भावनाओं का पता हुआ करता था। वह समय, जब डाकिए के कंधे पर टंगा झोला सिर्फ चिट्ठियों का भार नहीं उठाता था, उसमें लोगों की उम्मीदें, इंतजार, खुशियां, चिंताएं और रिश्तों की गर्माहट भी होती थी।

एक समय था, जब डाकखाने से निकलने वाला हर खत किसी न किसी के जीवन में उम्मीद, अपनापन और इंतजार लेकर जाता था। गली में डाकिया दिखाई देता तो कई आंखें उसके चेहरे को पढ़ने लगती थीं। मन में एक ही सवाल उठता था- शायद आज मेरा कोई खत आया हो।

किसी मां के लिए वह दूर शहर में रह रहे बेटे की कुशलता की खबर लेकर आता था। किसी पिता के लिए पढ़ाई कर रहे बच्चे का संदेश, किसी पत्नी के लिए परदेस गए पति की याद और किसी दोस्त के लिए वर्षों पुरानी मित्रता की खुशबू। तब चिट्ठियां केवल कागज नहीं थीं, उनमें धड़कते हुए दिल हुआ करते थे।

पीले पड़ गए कागज, लेकिन भावनाएं नहीं
स्याही से लिखे कुछ शब्द महीनों की दूरी को पल भर में मिटा देते थे। लोग खत पढ़ते थे, फिर दोबारा पढ़ते थे और फिर उन्हें संभालकर रख देते थे। कई बार पुराने खत संदूक में वर्षों तक सुरक्षित रहते थे। समय के साथ कागज पीला पड़ जाता था, अक्षर कुछ धुंधले हो जाते थे, लेकिन उन पर लिखी भावनाएं बूढ़ी नहीं होती थीं।

किसी पुराने खत को वर्षों बाद खोलना भी अपने आप में एक यात्रा हुआ करता था। कागज हाथ में आते ही बीता हुआ समय जैसे

सामने खड़ा हो जाता था। लिखने वाले की आवाज याद आती, उसका चेहरा आंखों के सामने आता और वह समय फिर महसूस होने लगता, जब वह चिट्ठी लिखी गई थी।

आज संदेश भेजना एक क्षण का काम है। लेकिन उस समय एक खत लिखना भी अपने आप में एक भावनात्मक प्रक्रिया थी। कागज सामने रखकर शब्द चुनने पड़ते थे। कलम हाथ में होती थी और मन में सामने वाला। हर वाक्य लिखने के बाद यह विचार आता था कि इसे पढ़कर सामने वाला क्या महसूस करेगा। इसलिए खत में सिर्फ सूचना नहीं होती थी, उसमें संवेदना होती थी।

डाकिया केवल कर्मचारी नहीं, रिश्तों का पुल था

विश्व डाक दिवस हमें केवल डाक व्यवस्था के इतिहास को याद करने का अवसर नहीं देता, बल्कि उस दौर को भी याद करने का अवसर देता है, जब एक डाकिया किसी परिवार का हिस्सा-सा हुआ करता था। उसे केवल घर का पता ही नहीं, घर के लोगों की चिंता भी मालूम होती थी।

किसका बेटा बाहर नौकरी करता है, किसकी बेटि की शादी हुई है, किस घर में किसी का इंतजार है, किस परिवार में खुशखबरी की उम्मीद है- डाकिया इन कहानियों से अनजान नहीं होता था। वह गांव, मोहल्ले और शहर के बीच चलता-फिरता संवाद था।

कई बार खत देने वाला डाकिया केवल संदेश नहीं देता था, उस संदेश का भाव भी अपनी आंखों और चेहरे से पहुंचाता था। किसी की चिट्ठी देखकर वह मुस्कुरा देता, किसी के घर मनीऑर्डर पहुंचाकर परिवार की खुशी में शामिल हो जाता और कभी किसी तार की खबर लेकर आता तो उसकी आवाज तक



बदल जाती थी।

वह सिर्फ डाक विभाग का कर्मचारी नहीं था। वह समाज के रिश्तों के बीच चलता-फिरता पुल था।

इंतजार में भी मिठास थी

आज की दुनिया में संदेश कुछ ही सेकंड में पहुंच जाता है। उस समय एक खत को अपने गंतव्य तक पहुंचने में कई दिन लगते थे। लेकिन इसी इंतजार में एक अलग मिठास थी।

डाकिए के आने का समय जैसे घर की दिनचर्या का हिस्सा होता था। कई लोग दरवाजे या खिड़की से उसकी राह देखते थे। अगर वह बिना रुके आगे निकल जाता तो मन थोड़ा उदास हो जाता। और अगर वह आवाज लगाकर नाम पुकारता तो जैसे अचानक पूरे घर में उत्सुकता फैल जाती।

खत खोलने से पहले ही मन में कई सवाल उठते थे- किसका होगा? क्या लिखा होगा? सब कुशल तो है? और फिर जब कागज खुलता था तो शब्दों के साथ दूर बैठे व्यक्ति की मौजूदगी महसूस होती थी।

आज सूचना बहुत तेज है, लेकिन इंतजार बहुत छोटा हो गया है। शायद यही वजह है कि किसी संदेश के आने की वह बेचैनी और मिलने की वह खुशी भी पहले

जैसी नहीं रही।

तकनीक ने दूरी घटाई, लेकिन धैर्य भी घटा दिया?

फिर समय बदला। खत की जगह फोन ने ले ली, फोन की जगह मोबाइल और मोबाइल के साथ संदेश, वीडियो कॉल और ई-मेल ने दुनिया को हथेली पर ला दिया। निश्चित रूप से इस बदलाव ने जीवन आसान किया। किलोमीटर की दूरियां कम हुईं और संदेश सेकंडों में पहुंचने लगे।

लेकिन एक सवाल आज भी हमारे सामने खड़ा है- क्या तकनीक ने दूरियां कम करते-करते रिश्तों के बीच का धैर्य भी कम कर दिया?

पहले किसी से नाराजगी होती थी तो आदमी खत लिखता था। लेकिन खत लिखकर डाक में डालने और सामने वाले तक पहुंचने के बीच समय होता था। कई बार इसी समय में गुस्सा ठंडा पड़ जाता था। लिखे हुए शब्दों को दोबारा पढ़ने का अवसर मिलता था और मन कहता था- रहने दो, इतना भी क्या नाराज होना।

आज गुस्सा आया और फोन उठाया। कुछ शब्द कहे, आवाज ऊंची हुई, फोन कट गया। फिर वही बात संदेशों में चली गई। कभी-कभी एक क्षण का आवेश वर्षों के रिश्ते पर भारी पड़ जाता है।

खत धीमे थे, लेकिन रिश्तों को सोचने का समय देते थे। मोबाइल तेज है, लेकिन कई बार हमें सोचने का समय नहीं देता।

खत में शब्द नहीं, संवेदनाएं लिखी जाती थीं

चिट्ठी लिखने की खूबसूरती यह भी थी कि उसमें शब्द चुनने पड़ते थे। हर शब्द की अपनी कीमत थी। कागज सीमित था और मन में भावनाएं बहुत।

किसी को याद करना हो तो लिखा जाता था- तुम्हारी बहुत याद आती है। हाल पूछना हो तो लिखा जाता था- आशा है तुम स्वस्थ और प्रसन्न होंगे। नाराजगी जतानी हो तो भी शब्दों में संयम रहता था। और प्रेम व्यक्त करना हो तो कई बार कुछ शब्द ही काफी होते थे।

आज हमारे पास संपर्क के हजार साधन हैं, लेकिन शायद संवाद के लिए समय कम है। सैकड़ों लोगों के नंबर मोबाइल में हैं, हजारों लोग सामाजिक माध्यमों पर जुड़े हैं, लेकिन कितने लोग ऐसे हैं जिनके सामने हम बैठकर अपने मन की बात कह सकें?

हमारे पास संपर्क बढ़ा है, लेकिन आत्मीय संवाद कम हुआ है। संदेशों की संख्या बढ़ी है, लेकिन भावनाओं को सुनने और समझने का धैर्य घटा है।

डाकखाने बदल गए, भावना नहीं

डाकखाने बदल गए। चिट्ठियों की संख्या कम हो गई। डाकिए की प्रतीक्षा भी बहुत कम हो गई। मनीऑर्डर की जगह बैंक और डिजिटल माध्यमों ने ले ली। तार जैसी सेवाएं इतिहास का हिस्सा बन गईं।

लेकिन खत की भावना आज भी मरनी नहीं चाहिए।

तकनीक संदेश पहुंचा सकती है, भावना नहीं। आवाज सुना सकती है, अपनापन नहीं। चेहरा दिखा सकती है, लेकिन इंतजार की

वह मिठास नहीं दे सकती, जो कभी एक चिट्ठी के आने से घर में उतरती थी।

शायद इसलिए पुराने संदूक में रखे खत आज भी इतने मूल्यवान लगते हैं। वे बीते समय की वस्तु नहीं, बीते रिश्तों की स्मृति होते हैं। उन्हें पढ़ते हुए हम सिर्फ लिखे शब्द नहीं पढ़ते, बल्कि उस व्यक्ति को महसूस करते हैं जिसने कभी उन्हें अपने हाथ से लिखा था।

आज एक खत लिखकर देखिए

आज विश्व डाक दिवस पर शायद डाकिए को याद करने का सबसे सुंदर तरीका यही होगा कि हम अपने किसी प्रिय व्यक्ति को एक खत लिखें। जरूरी नहीं कि उसमें कोई बड़ी बात हो। बस इतना लिख दें- 'तुम मेरे लिए महत्वपूर्ण हो।'

हो सकता है यह छोटा-सा वाक्य किसी ऐसे व्यक्ति तक पहुंच जाए, जिसे इसकी जरूरत लंबे समय से महसूस हो रही हो।

हो सकता है हमें फिर समझ आए कि खत लिखना केवल शब्दों को कागज पर उतारना नहीं है। यह अपने मन को दूसरे मन तक पहुंचाने का एक सुंदर माध्यम है।

कभी डाकखाना सिर्फ पत्रों का केंद्र नहीं था। वह रिश्तों का रास्ता था। डाकिया उस रास्ते का यात्री था और हर खत किसी धड़कते हुए दिल की आवाज।

आज डाकिया कम दिखाई देता है, लेकिन हमें अपने भीतर का वह डाकिया फिर जगाना होगा, जो रिश्तों तक संदेश पहुंचाए, नाराजगी के बीच धैर्य पहुंचाए और दूरियों के बीच अपनापन पहुंचाए। क्योंकि दुनिया चाहे कितनी भी डिजिटल हो जाए, कुछ भावनाएं ऐसी हैं जिन्हें आज भी 'भेजा' नहीं जा सकता। उन्हें महसूस करना पड़ता है।

प्रेम : ताकत भी, कमजोरी भी

-डा. पंकज भारद्वाज
प्रेम... एक ऐसा शब्द, जिसे बोलना बहुत आसान है, लेकिन समझना शायद पूरी जिंदगी भी कम पड़ जाए। प्रेम को परिभाषित करने की कोशिश जब भी हुई, शब्द छोटे पड़ गए। किसी ने इसे पूजा कहा, किसी ने समर्पण, किसी ने पागलपन और किसी ने जीवन की सबसे खूबसूरत अनुभूति। लेकिन सच तो यह है कि प्रेम इन सबके बीच कहीं सांस लेता है। वह दिखाई नहीं देता, फिर भी जीवन के सबसे गहरे हिस्से को छू जाता है। कभी किसी की आंखों में उतरकर प्रेम हमारे भीतर घर बना लेता है, कभी किसी की आवाज सुनते ही मन शांत हो जाता है, कभी किसी की एक मुस्कान पूरे दिन की थकान मिटा देती है और कभी वही मुस्कान याद बनकर

आंखों में नमी भी ले आती है। यही प्रेम है, वह जो बिना दस्तक दिए दिल में प्रवेश करता है और फिर वहां से निकलने का रास्ता भूल जाता है।

मनुष्य ने जीवन में बहुत कुछ अपने निर्णय से चुना है कहां पढ़ना है, क्या बनना है, किस रास्ते पर चलना है, किससे मित्रता करनी है, लेकिन प्रेम शायद उन चीजों में से है, जिसे मनुष्य चुनता कम और महसूस अधिक करता है। हम नहीं जानते कि हमें कब किसी से प्रेम हो जाएगा। हमें नहीं पता कि वह प्रेम जीवनभर साथ रहेगा या कुछ समय बाद एक स्मृति बन जाएगा। हमें यह भी मालूम नहीं होता कि जिसे हम अपनी जिंदगी का सबसे जरूरी व्यक्ति समझ रहे हैं, वह हमारी कहानी का अंतिम पात्र होगा या केवल एक सुंदर अध्याय। प्रेम

के भाग्य में क्या लिखा है, यह मनुष्य नहीं जानता। शायद यह केवल ईश्वर जानता है। हम अक्सर प्रेम को पाने की इच्छा से जोड़ देते हैं। हमें लगता है कि जिसे हम चाहते हैं, वह भी हमें चाहे, हमारे साथ रहे, हमारी भावनाओं को समझे और हमारे जीवन का हिस्सा बने। इसमें कुछ गलत भी नहीं। हर प्रेमी मन के किसी कोने में यही सपना देखता है। लेकिन प्रेम केवल पाने का नाम नहीं है। प्रेम का एक रूप वह भी है, जिसमें हम किसी को उसकी खुशी के लिए स्वतंत्र छोड़ देते हैं। कभी-कभी प्रेम में सबसे कठिन निर्णय यही होता है कि जिसे हम अपने पास रखना चाहते हैं, उसे जाने दें। दिल कहता है उसे रोक लो। मन कहता है उसे समझाओ। यादें कहती हैं इतनी आसानी से हार मत मानो, लेकिन

परिस्थितियां कहती हैं हर रिश्ता साथ रहने के लिए नहीं बना होता। तब प्रेम एक परीक्षा बन जाता है। और जो व्यक्ति उस परीक्षा में सामने वाले की खुशी को अपने अधिकार से ऊपर रख पाता है, शायद वही प्रेम का वास्तविक अर्थ समझ पाता है।

प्रेम से पहले हम केवल अपने बारे में सोचते हैं, लेकिन प्रेम के बाद किसी दूसरे की चिंता हमारे भीतर जन्म लेती है। पहले हमें अपनी नींद प्यारी होती है, फिर किसी की आवाज सुनने के लिए रात तक जागना अच्छा लगने लगता है। पहले हम अपनी खुशी तलाशते हैं, फिर किसी दूसरे की मुस्कान में अपनी खुशी मिलने लगती है। प्रेम मनुष्य को बदल देता है। वह उसे संवेदनशील बनाता है, उसे दूसरों के दर्द को समझना

सिखाता है, उसे धैर्य देता है, उसे इंतजार करना सिखाता है और कभी-कभी वह साहस भी देता है, जो अकेले मनुष्य में नहीं होता। किसी के लिए बेहतर बनने की इच्छा भी प्रेम से जन्म ले सकती है। एक व्यक्ति जो कल तक अपने भविष्य को लेकर उदासीन था, प्रेम के बाद अपने सपनों को गंभीरता से लेने लगता है। उसे लगता है कि उसे केवल अपने लिए नहीं, किसी और के लिए भी मजबूत बनना है। यही प्रेम की शक्ति है। लेकिन जहां प्रेम शक्ति देता है, वहीं उसका अतिरेक मनुष्य को कमजोर भी कर सकता है। जब हम अपनी पूरी खुशी किसी एक व्यक्ति के हाथों में सौंप देते हैं, तब हम अपनी भावनाओं के मालिक नहीं रहते। सामने वाले की एक छोटी-सी बात हमें आसमान पर पहुंचा देती है

और उसकी एक बेरुखी हमें जमीन पर गिरा देती है। फोन पर आया एक संदेश खुशी देता है और संदेश न आए तो बेचैनी होने लगती है। किसी का मिलना अच्छा लगता है और उसका दूर जाना असहनीय लगने लगता है। यहीं से प्रेम और निर्भरता के बीच की महीन रेखा शुरू होती है।

प्रेम सुंदर है, लेकिन किसी व्यक्ति को अपनी पूरी दुनिया बना देना हमेशा सुंदर नहीं होता, क्योंकि दुनिया का कोई भी व्यक्ति हमेशा हमारे साथ नहीं रह सकता। जीवन में परिस्थितियां बदलती हैं, लोग बदलते हैं, रिश्ते बदलते हैं और कभी-कभी हमारी सबसे मजबूत उम्मीदें भी टूट जाती हैं। इसलिए प्रेम कीजिए, लेकिन स्वयं को मत खोइए। किसी को अपना बनाइए, लेकिन अपने अस्तित्व की कीमत

लायंस क्लब ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत किया पौधारोपण, सुरक्षा के लिए लगाए ट्री गार्ड

हुरावली नदी क्षेत्र में लगाए 50 पौधे

गवालियर जीएनएस
लायंस क्लब ऑफ गवालियर की ओर से सेवा सप्ताह 2026 के तहत बुधवार को 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत हुरावली नदी, हनुमान मंदिर मुरार क्षेत्र में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व विधायक मुन्नालाल गोयल रहे। उन्होंने हुरावली नदी के आसपास के क्षेत्र को सुंदर एवं विकसित पार्क के रूप में विकसित करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता लायंस क्लब ऑफ गवालियर के अध्यक्ष एमजेएफ लायन नरेंद्र अग्रवाल ने की। इस अवसर पर आरसी पीएमजेएफ लायन राकेश अग्रवाल, जेडसी लायन रामकरण पारीक, जीएलटी समन्वयक लायन जगदीश मित्तल, सेवा सप्ताह संयोजक लायन संदीप जैन, कोषाध्यक्ष लायन राहुल गोयल और मानसेवी सचिव लायन पुनीत अग्रवाल सहित क्लब के अनेक सदस्य मौजूद रहे। पर्यावरण संरक्षण के इस सेवा कार्य के तहत करीब 50



पौधों का रोपण किया गया। प्रत्येक पौधे की सुरक्षा के लिए ट्री गार्ड भी लगाए गए, ताकि पौधों को सुरक्षित रखा जा सके और वे विकसित

होकर भविष्य में बड़े वृक्ष बन सकें। कार्यक्रम में लायन नीरू ज्ञानी का विशेष सहयोग रहा। वहीं कार्यक्रम स्थल की व्यवस्था और

आवश्यक सहयोग में अजय श्रीवास्तव की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कार्यक्रम में सम्माननीय पीडीजी और पूर्व अध्यक्षों सहित नीरज गर्ग, अंकित माहेश्वरी, जगदीश अग्रवाल, राघवेंद्र अवस्थी, विनोद जैन, सुनील अग्रवाल, प्रमोद अग्रवाल, सुनील कोहली, बसंत शर्मा, सीमा अग्रवाल, सविता अग्रवाल, पल्लवी अग्रवाल, एकता एवं जय सहित अनेक लायन साथी उपस्थित रहे। लायन सदस्यों ने कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान

केवल पौधारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, हरित और सुरक्षित भविष्य का संकल्प है। लगाए गए पौधों की देखभाल और संरक्षण सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। पौधों की नियमित देखभाल से ही पर्यावरण संरक्षण का उद्देश्य पूरा होगा। कार्यक्रम के समापन पर मानसेवी सचिव लायन पुनीत अग्रवाल ने अतिथियों, पदाधिकारियों और लायन साथियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के प्रति सभी सदस्यों के सहयोग और समर्पण की सराहना की।

दुर्वाकर लोक कल्याण समिति और रोटरी क्लब हेरिटेज का तीन दिवसीय शिविर केआरजी कॉलेज में बालिकाओं और महिलाओं के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर 15 से

गवालियर जीएनएस
दुर्वाकर लोक कल्याण समिति और रोटरी क्लब हेरिटेज के संयुक्त तत्वावधान में बालिकाओं और महिलाओं के लिए तीन दिवसीय निःशुल्क आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर 15 से 17 अगस्त तक केआरजी कॉलेज, कंपू में आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी संस्था पदाधिकारियों ने पत्रकार वार्ता में दी।

दुर्वाकर समिति की अध्यक्ष स्मिता नवीन पवार, सीमा भदौरिया, शोभा पाठक और रोटरी क्लब हेरिटेज के अध्यक्ष विवेक तिवारी ने बताया कि शिविर में



ऑल इंडिया कराटे चैंपियन बलवंत सिंह देवड़ा आत्मरक्षा का प्रशिक्षण देंगे। प्रशिक्षण प्रतिदिन दो चरणों में होगा। सुबह 8 से 11 बजे और दोपहर 3 से शाम

6 बजे तक प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसमें 12 वर्ष से अधिक उम्र की बालिकाएं और महिलाएं शामिल हो सकेंगी। आयोजकों ने बताया कि

वर्तमान समय में महिलाओं और बालिकाओं के लिए आत्मरक्षा का प्रशिक्षण आवश्यक है। इसी उद्देश्य से शिविर आयोजित किया जा रहा है। समिति की अध्यक्ष स्मिता नवीन पवार ने बताया कि संस्था पूर्व में भी गर्मियों के दौरान प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर महिलाओं और बालिकाओं को तलवारबाजी, लाठी चलाने और कराटे का प्रशिक्षण दे चुकी है।

पत्रकार वार्ता में आरती दांतरे, सुनीता खानवलकर, किरण यादव, शोभा त्रिपाठी, निशा जादौन, मोनिका राणा सहित रोटरी क्लब के पदाधिकारी मौजूद रहे।

कलेक्ट्रेट जनसुनवाई में आमजनों की समस्याएं सुनीं

गवालियर जीएनएस
कलेक्ट्रेट में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में जिला प्रशासन के अधिकारियों ने आमजनों की समस्याएं सुनीं और उनके निराकरण की रूपरेखा तय की। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोजान सिंह रावत, अपर कलेक्टर अनिल बनवारिया सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने एक-एक कर आवेदकों से उनकी समस्याएं जानीं।

जनसुनवाई में राजस्व, नगर निगम, बिजली और पुलिस सहित विभिन्न विभागों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। अधिकारियों ने जमीन से जुड़े मामलों के त्वरित निराकरण के लिए सभी अनुविभागीय अधिकारियों और तहसीलदारों को आवश्यक निर्देश दिए। वहीं नगर निगम क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी शिकायतों का भी प्राथमिकता से निराकरण करने की हिदायत संबंधित अधिकारियों को दी गई।

राजस्व, नगर निगम, बिजली और पुलिस से जुड़े आवेदन मिले अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश

जनसुनवाई में अपनी समस्याओं के समाधान की उम्मीद लेकर पहुंचे जरूरतमंद लोगों की सहायता भी की गई। जरूरतमंद आवेदकों के निःशुल्क इलाज की व्यवस्था अधिकारियों की ओर से कराई गई। अधिकारियों ने संबंधित विभागों को प्राप्त आवेदनों पर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रैपिड एक्शन फोर्स के स्थापना दिवस पर दी शुभकामनाएं

भोपाल जीएनएस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रैपिड एक्शन फोर्स के स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा कि राष्ट्र सेवा के लिए आरएफ के जवानों का साहस, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा सदैव प्रेरणादायी है। किसी भी चुनौतीपूर्ण परिस्थिति में शांति और सुरक्षा बनाए रखने में उनका योगदान अत्यंत सराहनीय है।

अधिकारियों को दिए मैदानी क्षेत्रों का भ्रमण करने के निर्देश सहरिया बाहुल्य क्षेत्रों में योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें

शिवपुरी जीएनएस
मध्यप्रदेश राज्य सहरिया विकास प्राधिकरण की अध्यक्ष गुड्डी बाई आदिवासी ने शिवपुरी जिले के भ्रमण के दौरान कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अधिकारियों के साथ जनजातीय वर्ग के कल्याण के लिए संचालित केंद्र और राज्य शासन की योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों के छात्रावास, छात्रवृत्ति, राहत राशि वितरण सहित विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं की विभागवार जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि शिवपुरी सहरिया जनजाति बाहुल्य जिला है और सहरिया समुदाय अत्यंत पिछड़ी जनजाति में शामिल है।



इसलिए शासन की योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के साथ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को सहरिया बाहुल्य क्षेत्रों का नियमित भ्रमण कर योजनाओं के क्रियान्वयन की वास्तविक स्थिति देखने और मैदानी स्तर की समस्याओं का तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए। अध्यक्ष ने कहा कि सहरिया समुदाय तक

शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, रोजगार, स्वरोजगार और अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित की जाए। उन्होंने शिक्षा और स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की जरूरत बताते हुए कहा कि इससे बच्चों के जीवन स्तर में सुधार होगा और आने वाली पीढ़ी सामाजिक एवं आर्थिक रूप से सशक्त होकर विकास की मुख्यधारा से जुड़ सकेंगी।

नगरपालिका में जागरूकता कार्यक्रम, एचआईवी से बचाव और उपचार की दी जानकारी हर गर्भवती की एचआईवी जांच जरूरी

शिवपुरी जीएनएस
नगरपालिका परिषद शिवपुरी में एचआईवी-एड्स सघन जागरूकता अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नगरपालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा ने कहा कि प्रत्येक गर्भवती महिला को एचआईवी की जांच कराना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि समय पर जांच होने से संक्रमण की पहचान और आवश्यक उपचार संभव है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी संजय त्रिभुवन ने बताया कि कलेक्टर के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे एचआईवी-एड्स सघन जागरूकता अभियान के तहत यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें स्व-सहायता समूहों की महिला सदस्यों और नगरपालिका कर्मचारियों ने सहभागिता की।



कार्यक्रम में जिला क्षय एवं एड्स नोडल अधिकारी डॉ. प्रदीप शर्मा ने एचआईवी-एड्स की गंभीरता, बचाव और उपचार के लिए दवाओं के महत्व की जानकारी दी। समाजसेवी संस्था टीआई की अकिता दीक्षित ने संस्था की गतिविधियों के बारे में बताया। कार्यक्रम के दौरान योगेश,

ओआरडब्ल्यू द्वारा जागरूकता सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम के अंत में आईसीटीसी काउंसलर सादिक खान ने आभार व्यक्त किया। अधिकारियों ने लोगों से एचआईवी-एड्स को लेकर जागरूक रहने और समय पर जांच व उपचार कराने की अपील की।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को दिलाई चरक शपथ

एमबीबीएस 2026 बैच के फाउंडेशन कोर्स का शुभारंभ

भोपाल, जीएनएस।
श्याम शाह चिकित्सा महाविद्यालय रीवा में एमबीबीएस 2026 बैच के फाउंडेशन कोर्स का शुभारंभ समारोहपूर्वक किया गया। ?समारोह में मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री एवं लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल द्वारा नवप्रवेशित विद्यार्थियों को चरक शपथ दिलाई गई एवं व्हाइट कोट सेरेमनी संपन्न कराई गई। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने चिकित्सकीय सेवा, कर्तव्य एवं जिम्मेदारियों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को

सेवा, संवेदना, अनुशासन, समर्पण और चिकित्सा नैतिकता को अपने चिकित्सकीय जीवन का आधार बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि चिकित्सा केवल पेशा नहीं, बल्कि मानव सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है। उप मुख्यमंत्री ने ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सकों की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि आज ग्रामीण इलाकों में डॉक्टरों की भारी मांग है। उन्होंने मेडिकल छात्रों को भाग्यशाली बताते हुए कहा कि पढ़ाई पूरी करते ही उन्हें सेवा का अवसर और सम्मानजनक रोजगार मिलता है, जो अन्य पेशों में आसानी से



सुलभ नहीं है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए सरकार द्वारा ब्लॉक स्तर तक 65 प्रकार की खून की जांचें और मुफ्त दवाइयाँ उपलब्ध कराई जा

रही हैं, लेकिन मुख्य समस्या जागरूकता की कमी है। जब एक डॉक्टर ग्रामीण क्षेत्र में पहुँचता है, तो वहाँ की आशा व एएनएम कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ता है और स्वास्थ्य तंत्र अधिक प्रभावी

ढंग से कार्य करने लगता है, क्योंकि समाज में डॉक्टर की बात को बेहद सम्मान और गंभीरता से लिया जाता है। ?रक्तदान से जुड़ी भातियों पर चर्चा करते हुए उप मुख्यमंत्री ने अपना अनुभव साझा किया कि उन्होंने 62 वर्ष की आयु में स्वयं रक्तदान कर समाज को यह संदेश दिया था कि रक्तदान करने से शरीर में कोई कमजोरी नहीं आती।

अंत में उन्होंने नवप्रवेशित चिकित्सकों से आग्रह किया कि वे अपनी बॉन्ड पोस्टिंग के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में सेवा देकर भारत की वास्तविक स्वास्थ्य समस्याओं

को समझें और समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाएं। ?कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिष्ठाता डॉ. शशिधर प्रसाद गर्ग ने की एवं अधीक्षक डॉ. प्रियंक शर्मा, एमईयू समन्वयक डॉ. पी.के. लखटाकिया, फाउंडेशन कोर्स समन्वयक डॉ. अरुणा सिंह सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ चिकित्सक, शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। अंत में डॉ. अरुणा सिंह ने आभार व्यक्त करते हुए मुख्य अतिथि, अध्यक्ष, सभी विभागाध्यक्षों, चिकित्सकों, शिक्षकों एवं सहयोगी स्टाफ के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

जीवाजी क्लब : जल्दी चुनाव कराकर विवादों से मुक्त होना चाह रहे पदाधिकारी

ग्वालियर, जीएनएस।

जीवाजी क्लब में चल रहा गड़बड़झाला कहीं गले की फांस न बन जाये इसीलिये जीवाजी क्लब के पदाधिकारी जल्दी चुनाव कराने के पक्ष में हैं। यह पदाधिकारी 11 अक्टूबर को होने वाली एजीएम में चुनाव की घोषणा कर सकते हैं और लगभग 20 दिसंबर को चुनाव भी कराने की तैयारी में हैं। कुल मिलाकर यह इसलिये जल्दी चुनाव कराये जा रहे हैं, ताकि क्लब के अंदर चल रही वित्तीय अनियमिततायें, निर्माण कार्यों की गड़बड़ और क्लब के गार्डनों के किराये को लेकर उठ रही बातें शांत की जा सकें। जबकि अमूमन दो साल वाले जीवाजी क्लब के

20 दिसंबर को हो सकते हैं चुनाव

चुनाव अभी तक एक साल तक आगे सरकाने की परंपरा रही है। कुल मिलाकर जीवाजी क्लब में इन दिनों अंदरूनी गुटबाजी, पदाधिकारियों की स्वार्थपरक नीतियों के कारण जीवाजी क्लब के सदस्य बेहद नाराज हैं और क्लब के वर्तमान पदाधिकारियों को लेकर उनका आक्रोश फूटने लगा है। अब यह आक्रोश कब ज्वालामुखी बन जाये यह कहा नहीं जा सकता, लेकिन एजीएम के लिये सदस्य मुददे लिये बैठे हैं। इन मुददों में जीवाजी क्लब में खाना लूटे जाने की घटना, लावण्य शर्मा को बेवजह क्लब की सदस्यता से

निलंबित किया जाना, जीवाजी क्लब में अनावश्यक खर्चें व बढ़ा चढ़ाकर पेश किये गये बिल, निर्माण कार्यों में भी निर्धारित से ज्यादा खर्चें आदि शामिल हो सकते हैं। वहीं बसंत शर्मा भूरा पंडित द्वारा जीवाजी क्लब के गार्डन नंबर तीन को निशुल्क दिये जो का मुददा भी गरमा सकता है। इसी के साथ जीवाजी क्लब में 36 करोड़ रुपये के डायवर्सन शुल्क का मुददा भी गहरा सकता है। विशेष बात यह है कि इन सारे मुददों को लेकर जीवाजी क्लब के अध्यक्ष से लेकर सचिव व सहसचिव पर उंगलियां उठ रही हैं,

लेकिन फिर भी जीवाजी क्लब में मनमानी का दौर चल रहा है और पदाधिकारी क्लब की सत्ता का भरपूर राजसी वैभव भोग रहे हैं और अपनी मित्रमंडली को भी इस राजसी वैभव का उपयोग करा रहे हैं।

अध्यक्ष, सचिव पद छोड़ने की फिराक में

जीवाजी क्लब के अध्यक्ष व सचिव विभिन्न उठ रहे मुददों को लेकर 11 अक्टूबर की एजीएम में पद भी छोड़ सकते हैं। ऐसा माना जा रहा है कि वह पद छोड़कर विवादों से दूर होना चाहते हैं, ताकि उन पर उंगली न उठे। कई सदस्यों ने जीवाजी क्लब के निर्माण कार्यों व उन पर किये गये भुगतान की वास्तविक जानकारी भी मांगी है।

जाति प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, आधार कार्ड व समग्र आईडी संबंधी समस्याओं का मौके पर होगा समाधान

विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु समुदाय के लिए तहसील स्तर पर लगेंगे विशेष शिविर; 8 अक्टूबर से होगी शुरुआत

शिवपुरी, जीएनएस।

जिले में विमुक्त, घुमन्तु और अर्द्धघुमन्तु समुदाय के लोगों की समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु तहसील स्तर पर विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में आदेश जारी कर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए गए हैं।

इन विशेष शिविरों का मुख्य उद्देश्य विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु समुदाय के नागरिकों को विभागीय योजनाओं की जानकारी देना तथा उनके जाति प्रमाण पत्र, पहचान पत्र, राशन कार्ड, आधार कार्ड एवं समग्र आईडी बनवाने जैसी समस्याओं का मौके पर ही निराकरण करना है। शिविरों में प्राप्त आवेदनों का संबंधित विभागों द्वारा तत्परता से समाधान किया जाएगा।

तहसील स्तर पर शिविरों की तिथियां और स्थान

तहसील स्तर पर आयोजित होने वाले शिविरों का समय प्रातः 11 बजे से दोपहर 4 बजे तक निर्धारित किया गया है, जो

8 अक्टूबर से 29 अक्टूबर तक निर्धारित स्थानों पर आयोजित किए जाएंगे। जिसमें 08 अक्टूबर को तहसील कार्यालय पोहरी, 14 अक्टूबर को तहसील कार्यालय पिछोर, 15 अक्टूबर को तहसीलकार्यालय शिवपुरी, 21 अक्टूबर को तहसील कार्यालय बदरवास, 22 अक्टूबर को तहसील कार्यालय कोलारस, 28 अक्टूबर को तहसील कार्यालय करैरा तथा 29 अक्टूबर को तहसील कार्यालय खनियाधाना शामिल है।

शिविरों के सुचारू संचालन एवं समन्वय हेतु निरीक्षक श्री एन.एल. राय तथा सहायक ग्रेड-3 श्री अनिल कुमार शर्मा को शिविर प्रभारी एवं सहायक नियुक्त किया गया है।

समस्त तहसीलदारों, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे स्थानीय स्तर पर घुमन्तु व अर्द्धघुमन्तु समुदायों की बस्तियों तक मुनादी और कोटवारों के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें। इसके साथ ही संबंधित क्षेत्रों के विकासखंड स्तरीय अधिकारियों को शिविर में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर जनसमस्याओं का निराकरण करने तथा शिविर स्थलों पर पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

चार फर्मों को नोटिस, एक का लाइसेंस निरस्त

औषधि निरीक्षक डॉ आकांक्षा ने मेडिकल स्टोरों का किया औचक निरीक्षण

भिण्ड, जीएनएस।

नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन भोपाल (म.प्र.), कलेक्टर भिण्ड एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भिण्ड के निर्देशानुसार औषधि निरीक्षक डॉ आकांक्षा गरुड़ द्वारा भिण्ड स्थित देव मेडिकल स्टोर, बी.एम.एच फार्मसी, ओझा मेडिकल स्टोर, सिंघई मेडिकल स्टोर एवं देव मेडिकल एजेंसी, तथा गोहद तहसील क्षेत्र में स्थित साक्षी मेडिकल स्टोर, राठौर मेडिकल स्टोर, राज मेडिकल स्टोर, नारायण मेडिकल स्टोर, गुरु कृपा मेडिकल स्टोर सहित दर्जन भर मेडिकल स्टोरों की सघन जाँच कर लाइसेंस चेक किए गये



एवं फार्मसिस्ट की जानकारी ली गयी।

निरीक्षण के दौरान बी.एम.एच फार्मसी पर रजिस्टर्ड

फार्मासिस्ट नहीं उपस्थित पाए गए, जिस सम्बन्ध में उनको नोटिस जारी किया गया है। देव मेडिकल एजेंसी, सौरभ ट्रेडर्स एवं स्वागत ट्रेडर्स दुकान को दवाओं की खरीदी बिक्री की जानकारी तीन दिवस के भीतर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। समयावधि में जानकारी नहीं प्रस्तुत करने पर नियमानुसार आगामी कार्यवाही सुनिश्चित की जावेगी। निरीक्षण के दौरान औषधियों की गुणवत्ता की जांच करने के लिए पाँच सैंपल लिए जाकर भोपाल स्थित औषधि प्रयोगशाला भेजे गए। साथ ही अनमोल मेडिकल एजेंसी मौ के लाइसेंस को निरस्त कर दिया गया है। निरीक्षण के दौरान उचित

स्थान पर लाइसेंस का प्रदर्शन, दुकानों पर फार्मासिस्ट की उपलब्धता, दुकानों की साफ-सफाई, एक्सपाइरी दवाओं के लिए उचित व्यवस्था, स्टॉक रजिस्टर, फ्रिज में संधारित की जाने वाली औषधियों का रख रखाव, बिना पंजीकृत चिकित्सक के पर्चे के शेड्यूल औषधियों का विक्रय नहीं किए जाने एवं औषधियों के क्रय विक्रय अभिलेख का संधारण नियमानुसार रखने संबंधी दिशा निर्देश दिए। अन्यथा की दशा में नियमानुसार कार्यवाही प्रस्तावित की जावेगी जिसके लिए सम्बंधित फर्म स्वयं जिम्मेदार होगी।

सफलता की कहानी : ड्रिप सिंचाई से बदली श्री शुभम सिंह भदौरिया की किस्मत

भिण्ड, जीएनएस।

मध्य प्रदेश के भिण्ड जिले के ग्राम मानहड के निवासी किसान श्री शुभम सिंह भदौरिया ने प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (PMKSY) के तहत ड्रिप सिंचाई पद्धति अपनाकर न केवल अपनी आय बढ़ाई, बल्कि खेती को लाभदायक और टिकाऊ भी बना दिया।

पारंपरिक से आधुनिक खेती

तक का सफर श्री शुभम सिंह भदौरिया, पुत्र श्री आदेश सिंह भदौरिया, पहले गेहूँ और सरसों की पारंपरिक खेती करते थे। इसमें लागत अधिक होने के बावजूद उत्पादन लगातार कम होता जा रहा था। उद्यानिकी विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन और विभिन्न योजनाओं के सहयोग से उन्होंने उद्यानिकी फसलों का उत्पादन शुरू किया।

ड्रिप सिंचाई और मल्लिचंग तकनीक का जादू

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत स्थापित ड्रिप सिंचाई संयंत्र और मल्लिचंग तकनीक ने खेती की तस्वीर ही बदल दी। पपीता की खेती में ड्रिप सिंचाई अपनाते से जहाँ पानी की भारी बचत हुई, वहीं मल्लिचंग के उपयोग से खेत में खरपतवार कम हुए। इससे खरपतवारनाशी

दवाइयों पर होने वाला खर्च घटा और फसल में रोग-बीमारियां भी कम हुईं।

लागत में कमी, आय में वृद्धि: श्री शुभम सिंह भदौरिया के भाई श्री अमित सिंह भदौरिया, जो कि फसलों की देखभाल करते हैं। उन्होंने बताया कि रसायनिक दवाइयों और खाद का उपयोग कम होने से न केवल खेती की लागत घटी, बल्कि भूमि की

उर्वरकता में भी सुधार हुआ। पपीता की खेती के साथ में मौसमी सब्जियों जैसे पालक, मूली, लहसुन, प्याज, तुअर दाल ग्वारफली, पत्तागोभी आदि का उत्पादन भी कर रहे हैं। ड्रिप सिंचाई के कारण फसल की उपज में 30-40% तक की बढ़ोतरी हुई, जबकि पानी की खपत 20-30% कम हुई।

श्री भदौरिया की यह

सफलता की कहानी जिले के अन्य किसानों के लिए प्रेरणा बनी है। ऋच्छास्वर्ण के तहत छोटे और सीमांत किसानों को ड्रिप और स्प्रिंकलर सिस्टम लगवाने पर 55% और अन्य किसानों को 45% वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाती है, जिससे अधिक से अधिक किसान आधुनिक सिंचाई तकनीक अपनाकर लाभान्वित हो रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन को साकार करते सिंधिया के प्रयास - ग्वालियर में नई औद्योगिक क्रांति की शुरुआत

भोपाल, जीएनएस।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन को साकार करते हुए केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की अनोखी पहल व निरंतर प्रयासों से मध्य प्रदेश के ग्वालियर में एशिया का पहला टेलीकॉम मैनुफैक्चरिंग जोन (झरू) अब आकार ले रहा है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के भूमिपूजन समारोह में 29 अक्टूबर को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शामिल होंगे। उन्होंने सिंधिया के आमंत्रण को स्वीकार करते हुए समारोह में शामिल होने की सहमति प्रदान की है।

ग्वालियर के श्रीमंत माधवराव सिंधिया काउंटर मैनेज सिटी (स्मू) में प्रस्तावित यह परियोजना क्षेत्र को टेलीकॉम विनिर्माण के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इसके माध्यम से ग्वालियर में न केवल बड़े पैमाने पर औद्योगिक निवेश आएगा, बल्कि टेलीकॉम क्षेत्र से जुड़ी विनिर्माण इकाइयों, तकनीकी नवाचार और रोजगार के नए अवसरों का व्यापक इकोसिस्टम भी विकसित होगा।

नियमित रूप से केंद्रीय मंत्री सिंधिया इस परियोजना को धरातल पर उतारने के लिए संबद्ध मंत्रालय, और मध्य प्रदेश सरकार के अधिकारियों के साथ निरंतर समन्वय एवं समीक्षा करते आ रहे

हैं। परियोजना की प्रगति, भूमि, निवेश, बुनियादी ढांचे और उद्योगों की आवश्यकताओं से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर लगातार काम किया जा रहा है।

हाल ही में ग्वालियर में प्रस्तावित स्थल के निरीक्षण के दौरान सिंधिया ने स्पष्ट किया था कि झरू केवल एक औद्योगिक परियोजना नहीं, बल्कि ग्वालियर में टेलीकॉम क्षेत्र से जुड़ी 24 से अधिक विनिर्माण इकाइयों को एक साथ विकसित करने की दिशा में बड़ा कदम है। इसका उद्देश्य टेलीकॉम उपकरणों और विभिन्न कंपोनेंट्स के निर्माण के साथ डिजाइन, अनुसंधान एवं विकास, परीक्षण तथा नवाचार से जुड़ा एक व्यापक औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करना है।

टेलीकॉम मैनुफैक्चरिंग जोन को विशेष आर्थिक क्षेत्र (स्थ) की तर्ज पर विशेष प्लग-एंड-प्ले मॉडल के अंतर्गत विकसित करने की योजना है। इस मॉडल के तहत कंपनियों को तैयार बुनियादी ढांचा, साझा सुविधाएं और आवश्यक औद्योगिक वातावरण उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे वे कम समय में अपनी विनिर्माण गतिविधियां शुरू कर सकें।

झरू में टेलीकॉम उपकरणों एवं कंपोनेंट्स के निर्माण के साथ डिजाइन, अनुसंधान एवं विकास, परीक्षण तथा ऑप्टिकल फाइबर,

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने गृह मंत्री अमित शाह को किया आमंत्रित, शाह ने समारोह में शामिल होने की सहमति दी

सेमीकंडक्टर और 5G/6G जैसी उन्नत तकनीकों से जुड़े उद्योगों के विकास पर भी जोर रहेगा।

यह पहल भारत को टेलीकॉम उत्पादों के विनिर्माण में आत्मनिर्भर बनाने, घरेलू उत्पादन क्षमता बढ़ाने और वैश्विक विनिर्माण श्रृंखला में देश की भागीदारी मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

5,500 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव, 18,000 से अधिक रोजगार की संभावना

ग्वालियर में झरू की स्थापना के लिए निवेश आकर्षित करने के उद्देश्य से केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने दिल्ली, मुंबई और बंगलुरु में निवेशकों एवं उद्योग प्रतिनिधियों के साथ बैठकें व रोड शो कीं। इन बैठकों व रोड शो के माध्यम से परियोजना की संभावनाओं, उपलब्ध सुविधाओं और निवेश के अवसरों को लेकर उद्योग जगत के साथ लगातार संवाद स्थापित किया गया। जुलाई 2026 में झरू की स्थापना को लेकर केंद्रीय दूरसंचार विभाग और मध्य प्रदेश सरकार के बीच समझौता ज्ञापन (स्व) पर हस्ताक्षर किए गए। इसके बाद सिंधिया और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में निवेशक रोड शो

आयोजित किए गए।

दिल्ली में आयोजित रोड शो के दौरान कंपनियों की ओर से लगभग ₹3,500 करोड़ के निवेश की प्रतिबद्धता सामने आई, जिससे करीब 14,000 रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है। वहीं, 4 अगस्त को मुंबई में आयोजित रोड शो में लगभग ₹2,000 करोड़ के निवेश और करीब 4,000 रोजगार के अवसरों की प्रतिबद्धता प्राप्त हुई।

हाल ही में बंगलुरु में केंद्रीय मंत्री सिंधिया द्वारा आयोजित निवेशक बैठक में टेलीकॉम, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर और प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनियों के साथ निवेश की संभावनाओं पर चर्चा हुई। इस बैठक में भी निवेशकों ने परियोजना में रुचि दिखाई और लगभग ₹700-800 करोड़ के अतिरिक्त निवेश प्रस्ताव सामने आए।

इन प्रयासों के परिणामस्वरूप झरू के लिए ₹5,500 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्तावों और 18,000 से अधिक रोजगार के अवसरों की संभावनाएं उभरी हैं। केंद्रीय मंत्री सिंधिया की इस सार्थक पहल से यह झरू ग्वालियर-चंबल क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को नई गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

केंद्र सरकार देगी ₹493 करोड़ की 100 प्रतिशत वित्तीय सहायता

इस परियोजना के प्रथम चरण के बुनियादी ढांचे के लिए केंद्र की मोदी सरकार ₹493 करोड़ की 100 प्रतिशत वित्तीय सहायता प्रदान कर रही है।

मध्य प्रदेश सरकार ने परियोजना के लिए लगभग 170 एकड़ भूमि निःशुल्क उपलब्ध कराई है। परियोजना के क्रियान्वयन के लिए गठित विशेष प्रयोजन कंपनी (SPV) में मध्य प्रदेश सरकार की 51 प्रतिशत और दूरसंचार विभाग की 49 प्रतिशत हिस्सेदारी निर्धारित की गई है।

केंद्र और राज्य सरकार के बीच यह साझेदारी परियोजना के समयबद्ध क्रियान्वयन, औद्योगिक आधारभूत संरचना के विकास और निवेशकों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

सिंधिया कर रहे हैं परियोजना की निरंतर समीक्षा

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने हाल ही में दूरसंचार विभाग, भारत सरकार और मध्यप्रदेश शासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ ग्वालियर के श्रीमंत माधवराव सिंधिया काउंटर मैनेज सिटी (SADA) क्षेत्र में TMZ के लिए चिह्नित भूमि का स्थल निरीक्षण किया था। इस दौरान परियोजना

की प्रगति, भूमि की उपलब्धता, निवेशकों की आवश्यकताओं और आगामी कार्ययोजना की विस्तृत समीक्षा की थी। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को परियोजना से संबंधित कार्यों को समयबद्ध ढंग से आगे बढ़ाने तथा निवेशकों के लिए आवश्यक बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे। सिंधिया इस परियोजना को अपनी प्राथमिकताओं में रखते हुए लगातार इसकी प्रगति की निगरानी कर रहे हैं। ग्वालियर में प्रस्तावित एशिया का पहला टेलीकॉम मैनुफैक्चरिंग जोन न केवल मध्य प्रदेश के औद्योगिक विकास को नई दिशा देगा, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार, तकनीकी कौशल और उद्यमिता के नए अवसर भी सृजित करने की क्षमता रखता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत और 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' के विजन के अनुरूप यह परियोजना भारत को वैश्विक टेलीकॉम विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। सिंधिया की दूरगामी पहल से ग्वालियर-चंबल क्षेत्र के साथ साथ सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास, निवेश और रोजगार की नई संभावनाओं को बल मिल रहा है।

फूल बंगला सजाकर शुरू हुआ अग्रसेन जयंती महोत्सव

फिरोजाबाद, जीएनएस।

राजा का ताल स्थित अग्रसेन धाम में मंगलवार को महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव का शुभारंभ हुआ। श्रीश्री 1008 महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव समिति की ओर से महाराजा अग्रसेन और महारानी माधवी की युगल प्रतिमाओं पर फूल बंगला सजाया गया। महाआरती के बाद प्रसादी वितरित की गई। आयोजन में सहयोग करने वाले स्वयंसेवकों का सम्मान भी किया गया।

महोत्सव के तहत छह से 16 अक्तूबर तक विभिन्न कार्यक्रम होंगे। सात अक्तूबर को अग्रसेन स्कूल दुर्गा नगर में बच्चों का दंत



एवं नाक-कान-गला परीक्षण, रंगोली प्रतियोगिता और शाम को माँम एंड किड्स मास्टर शेफ कार्यक्रम होगा। आठ अक्तूबर को गोवंश को छप्पन भोग, रक्तदान शिविर और सामाजिक चेतना बाइक रैली निकाली जाएगी।

नौ अक्तूबर को मेहंदी व रंगोली प्रतियोगिता के साथ 1008

दीपकों की दीपमालिका सजाई जाएगी। 10 अक्तूबर को अग्रवाल धर्मशाला नंबर एक में सुंदरकांड पाठ और अग्रसेन चौक पर दीपमालिका होगी। 11 अक्तूबर को दुग्धाभिषेक, हवन-पूजन व ध्वजारोहण के बाद राधाकृष्ण मंदिर से अग्रसेन स्कूल तक शोभायात्रा निकलेगी। 12 अक्तूबर को

वृक्षारोपण, 13 को कन्हैया मित्तल का श्याम संकीर्तन और 14 को मां राजा राजेश्वरी कैलादेवी की चुनरी मनोरथ होगा। 15 अक्तूबर को पुरस्कार वितरण व सम्मान समारोह और 16 अक्तूबर को प्रभुजी सेवा के साथ महोत्सव का समापन होगा।

इस दौरान दीनानाथ गर्ग, अनिल अग्रवाल, जानकी प्रसाद गर्ग, जानकी प्रसाद गर्ग, विकास चंद्र बंसल, मुकेश बंसल, नितेश अग्रवाल जैन, भारतेंद्र अग्रवाल राजू, धीरज अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, उमाशंकर अग्रवाल, नमन बंसल, अनुग्रह गोपाल समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

एयरपोर्ट तिराहा से लेकर सिरोल रोड तक डिवाइडरों की सफाई और झाड़ियों की छंटाई

ग्वालियर, जीएनएस।

नगर निगम के पार्क विभाग की टीमों ने शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों पर डिवाइडरों की सफाई, झाड़ियों की कटाई और कचरा उठाने का कार्य अभियान चलाकर कराया।

पार्क अधीक्षक श्री भूपेंद्र सासोड ने बताया कि नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी एवं अपर आयुक्त श्री प्रदीप तोमर के निर्देशानुसार उपायुक्त श्री मुकेश बंसल के निर्देशन में शहर के

डिवाइडरों एवं सड़कों के किनारे साफ सफाई कराई गई। जिसमें आज उद्यान निरीक्षक श्री राजकुमार सिंह राजावत के द्वारा रेलवे प्लेटफार्म नंबर 4 से लोको, बिजली घर तक तक रोड डिवाइडर एवं रोड किनारे पर साफ सफाई कराई गई। इसके साथ ही उद्यान पर्यवेक्षक श्री दिनेश कुशवाहा के द्वारा एयरपोर्ट तिराहा से दीनदयाल नगर गेट नंबर 1 तक रोड डिवाइडर एवं रोड किनारे पर साफ सफाई कराई गई।

नवरात्रि, रामनवमी और दशहरा को लेकर थाने में बैठक

जसराना, जीएनएस।

नवरात्रि, रामनवमी एवं दशहरा पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर थाना जसराना परिसर में पुलिस-प्रशासन ने संभ्रांत नागरिकों एवं गणमान्य लोगों के साथ बैठक की। इसमें एसडीएम जसराना ऋषभ देश पुडीर, सीओ प्रेम प्रकाश पांडेय और थाना प्रभारी भागवत गुर्जर मौजूद रहे।

एसडीएम ने कहा कि पर्वों के दौरान सभी लोग आपसी भाईचारा और सौहार्द बनाए रखें। किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें और संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस-प्रशासन को दें।



सीओ प्रेम प्रकाश पांडेय ने कहा कि त्योहारों को लेकर पुलिस पूरी तरह सतर्क रहेगी। संवेदनशील स्थानों पर निगरानी बढ़ाने के साथ भीड़भाड़ वाले

क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। आयोजकों से नियमों का पालन करने और व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग की अपील की। थाना प्रभारी भागवत गुर्जर ने

कहा कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुलिस टीम लगातार क्षेत्र में भ्रमण कर निगरानी रखेगी। सोशल मीडिया पर भ्रामक और भड़काऊ संदेश प्रसारित न करने की भी अपील की गई। बैठक में संभ्रांत नागरिकों ने पुलिस-प्रशासन को सहयोग का भरोसा दिलाया। अधिकारियों ने लोगों की समस्याएं और सुझाव सुनते हुए कहा कि सभी समुदाय मिल-जुलकर त्योहार मनाएं। इस दौरान अनिल दौहरे, जयवीर सिंह प्रधान, गौरव हिंदू, शुभम सैनी, नवीन शिवहरे, अमित गुप्ता आदि मौजूद रहे।

हिन्दी दैनिक

श्रमसाधना

आपकी दुःख की छाड़ी में

श्रमसाधना सदैव आपके साथ है

उठावनी/रसम पगड़ी का प्रकाशन निःशुल्क

सम्पर्क करें

ग्वालियर
☎ 0751-2625029
☎ 9074257600

शिवपुरी
☎ 07492-232149
☎ 8251071286

E-mail : shramsadhnagwl@gmail.com

दीपावली पर अस्थाई आतिशबाजी लाइसेंस के लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू; एमपी ई-सर्विस पोर्टल से होंगे पूर्णतः ऑनलाइन आवेदन

शिवपुरी, जीएनएस।
वर्ष 2026 के दीपावली त्योहार के अवसर पर फुटकर पटाखा विक्रय व्यवसाय को सुलभ एवं पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन शिवपुरी द्वारा अस्थाई आतिशबाजी एवं पटाखे के विक्रय की अनुज्ञप्ति प्रदाय करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। मध्यप्रदेश शासन गृह विभाग के निर्देशों के क्रम में विस्फोटक अधिनियम 1884, विस्फोटक

नियम 2008 तथा विस्फोटक (संशोधन) नियम 2019 के अंतर्गत यह सेवा पूर्णतः ऑनलाइन प्रदाय की जा रही है।
अपर जिला मजिस्ट्रेट श्री दिनेश चंद्र शुक्ला ने बताया कि इच्छुक आवेदक एमपी ई-सर्विस पोर्टल <http://services.mp.gov.in> के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदक अपने संबंधित लोक सेवा केंद्र पर

जाकर या स्वयं पोर्टल के माध्यम से निर्धारित शुल्क का ऑनलाइन भुगतान कर प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। निर्धारित शुल्क का भुगतान कोष एवं लेखा कार्यालय में ऑनलाइन ही जमा किया जाएगा।
आवेदन हेतु आवश्यक दस्तावेज एवं पात्रता शर्तें
ऑनलाइन आवेदन करते समय आवेदकों को आवश्यक दस्तावेज स्कैन कर पोर्टल पर अपलोड करने होंगे, आवश्यक

दस्तावेजों में आधारकार्ड, वोटर कार्ड, पैन कार्ड, पुलिस प्रतिवेदन/चरित्र सत्यापन, पूर्व का अस्थाई आतिशबाजी लाइसेंस और मोबाइल नंबर शामिल है। आवेदक की न्यूनतम आयु 18 वर्ष पूर्ण होनी चाहिए। इसके अतिरिक्त आवेदक को किसी न्यायालय द्वारा आपराधिक मामलों में दोषसिद्ध नहीं होना चाहिए तथा दण्ड प्रक्रिया संहिता/भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत परिश्रांति एवं

सदाचार के लिए बंध-पत्र निष्पादित करने का आदेश न दिया गया हो।
एसडीएम कार्यालयों में जमा होंगी प्रतिलिपियाँ, 20 अक्टूबर अंतिम तिथि
ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया पूरी करने के पश्चात नियमानुसार भरे गए आवेदनों को संबंधित अनुविभागीय दण्डाधिकारी कार्यालय (शिवपुरी, कोलारस, करैरा, पोहरी एवं पिछोर) में जमा कराना होगा। संबंधित एसडीएम द्वारा आवेदनों का

नियमानुसार परीक्षण कर ऑनलाइन प्रतिवेदन कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय को भेजा जाएगा। अस्थाई आतिशबाजी लाइसेंस हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 20 अक्टूबर 2026 नियत की गई है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा तथा किसी भी परिस्थिति में ऑफलाइन आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

जिला स्तरीय सेवा ज्योति संकल्प यात्रा का आयोजन

भिण्ड, जीएनएस।
सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत नवीन कृषि उपज मंडी भिण्ड के प्रांगण में जिला स्तरीय सेवा ज्योति संकल्प यात्रा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला ने अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्ष की जनसेवा पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सेवा ज्योति का प्रज्वलन किया, जिसके बाद जिले की सभी विधानसभा क्षेत्रों के लिए सेवा रथ में सेवा ज्योति मशाल रवाना की गई। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री मोदी के उद्बोधन का सजीव प्रसारण देखा गया। इसके

प्रधानमंत्री श्री मोदी के 25 वर्ष की जनसेवा पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सेवा ज्योति का हुआ प्रज्वलन



पूर्व विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीतों की मनमोहक प्रस्तुति भी दी।
कार्यक्रम के पश्चात नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला प्रज्वलित सेवा ज्योति के साथ भिण्ड शहर के गौरी सरोवर पहुंचे, जहां गौरी चौराहे पर सेवा

ज्योति को स्थापित किया गया।
कार्यक्रम में लहार विधायक श्री अम्बरीश शर्मा, पूर्व मंत्री श्री ओपीएस भदौरिया सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी, नागरिक, विद्यार्थी और समाजसेवी संगठन उपस्थित थे।

बड़े हनुमान मंदिर की 52 बीघा भूमि कब्जामुक्त कराने की मांग

फिरोजाबाद, जीएनएस।

कटरा रोड स्थित बड़े हनुमान जी महाराज मंदिर की करीब 52 बीघा भूमि को अवैध कब्जों से मुक्त कराने की मांग को लेकर नेताजी सुभाष चंद्र बोस संघर्ष समिति ने मुख्यमंत्री के नाम जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। समिति ने भूमि की वर्ष 1970 की स्थिति बहाल कराने के साथ यहां भव्य हनुमान कॉरिडोर विकसित करने की मांग की।

ज्ञापन में कहा गया कि मंदिर के नाम करीब 52 बीघा भूमि वर्ष 1822 में दान में दी गई थी। इस भूमि पर वर्षों से हनुमान जयंती,

मुख्यमंत्री के नाम डीएम को सौंपा ज्ञापन, 1970 की स्थिति बहाल करने और कॉरिडोर बनाने की उठाई मांग

रामलीला, रासलीला, यज्ञ और हवन समेत धार्मिक व सामाजिक आयोजन होते रहे हैं।

समिति पदाधिकारियों का आरोप है कि कुछ लोग अलग-अलग समितियां बनाकर भूमि पर अपना दावा कर रहे हैं। इसके चलते विवाद और मुकदमेबाजी की स्थिति बनी हुई है। आरोप है कि भूमि के कुछ हिस्सों पर धीरे-धीरे अवैध कब्जे किए जा रहे हैं।

पदाधिकारियों ने मांग की कि राजस्व अभिलेखों की जांच कर

भूमि की 1970 की स्थिति बहाल कराई जाए और अवैध कब्जे हटाकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। साथ ही भूमि को सरकारी संरक्षण में लेकर हनुमान जी महाराज के नाम पर भव्य कॉरिडोर विकसित करने की मांग की गई।

ज्ञापन देने वालों में समिति के संस्थापक प्रदीप कुमार कुशवाह, संजय श्रोत्रिय, मनोज भरल, रामशेकर राजौरिया समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

योग शिविर में छात्राओं ने सीखे स्वस्थ रहने के गुर

फिरोजाबाद, जीएनएस।
दाऊदयाल महिला महाविद्यालय में शारीरिक शिक्षा विभाग की ओर से बुधवार को एक दिवसीय योग शिविर लगाया गया। अंकित योग क्लासेज के सहयोग से आयोजित शिविर में छात्राओं को योगासन और प्राणायाम का अभ्यास कराया गया।

शिविर का शुभारंभ प्राचार्य प्रो. रेनू वर्मा और खेल विभाग की अध्यक्ष संध्या चतुर्वेदी ने किया। योगाचार्य अंकित वर्मा ने छात्राओं को ताड़ासन, पशुमोक्तानासन, उष्टासन, पादहस्तासन, वज्रासन और मंडूकासन का अभ्यास कराया। इसके साथ ही अनुलोम-विलोम,



भ्रामरी, कपालभाति और भस्त्रिका प्राणायाम की विधि भी बताई। प्राचार्य प्रो. रेनू वर्मा ने कहा कि नियमित योग शरीर को स्वस्थ रखने के साथ मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है। छात्राओं को योग को अपनी दिनचर्या में शामिल

करना चाहिए। शिविर का संयोजन खेल विभाग की अध्यक्ष संध्या चतुर्वेदी ने किया। शिक्षा विभाग की अध्यक्ष प्रो. विनीता गुप्ता, डॉ. अंजू गोयल, डॉ. सरिता रानी और डॉ. रितु नारंग ने योगाचार्य अंकित वर्मा और छात्राओं का आभार जताया।

बैंकों में साइबर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन

श्यापुर, जीएनएस।

कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा के मार्गदर्शन में जिले में सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत सेवा मेरा योगदान गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में जिले के बैंकर्स द्वारा भी साइबर जागरूकता के कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं।

एलडीएम श्री दिनेशचंद्र जाटव ने बताया कि साइबर अपराधों से बचाव एवं डिजिटल बैंकिंग के सुरक्षित उपयोग के प्रति आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से एसबीआई बैंक स्टेशन रोड शाखा श्यापुर, आईडीबीआई बैंक श्यापुर, पीएनबी बैंक विजयपुर, एसबीआई



बैंक मानपुर तथा एसबीआई बैंक विजयपुर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों में बैंक अधिकारियों द्वारा बैंकिंग सेवाओं का सुरक्षित उपयोग, ऑनलाइन लेन-देन के दौरान सावधानी बरतने, ओटीपी, एटीएम पिन, पासवर्ड एवं बैंक संबंधी

गोपनीय जानकारी किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा नहीं करने के प्रति जागरूक किया जा रहा है। साथ ही साइबर ठगी होने पर तत्काल शिकायत दर्ज कराने तथा संदिग्ध लिंक और फोन कॉल से सावधान रहने के लिए भी नागरिकों को सचेत किया जा रहा है।

60 दिवसीय मेगा जागरूकता अभियान के तहत शासकीय हाईस्कूल कोटा में विधिक साक्षरता शिविर आयोजित; छात्रों व आमजन को दिए यातायात व आपदा प्रबंधन के टिप्स

शिवपुरी, जीएनएस।
राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के आदेशानुसार चलाए जा रहे 60 दिवसीय मेगा ड्राइव जागरूकता अभियान के अंतर्गत शासकीय हाईस्कूल कोटा में एक विशाल विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिवपुरी श्री राजेन्द्र प्रसाद सोनी के मार्गदर्शन व अध्यक्षता तथा सचिव श्रीमती रंजना चतुर्वेदी के समन्वय में

संपन्न हुआ। शिविर में शासकीय हाईस्कूल कोटा, माध्यमिक विद्यालय हातौद एवं प्राथमिक विद्यालय हातौद के छात्र-छात्राओं सहित स्थानीय नागरिकों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम की शुरुआत में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती रंजना चतुर्वेदी ने 60 दिवसीय मेगा अभियान और नालसा की योजनाओं की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण एवं ग्रासरूट स्तर तक विद्यार्थियों और आम नागरिकों को उनके कानूनी अधिकारों, सड़क सुरक्षा



तथा जीवन रक्षा संबंधी उपायों के प्रति जागरूक करना है। शिविर में यातायात थाना शिवपुरी की रक्षित निरीक्षक श्रीमती गायत्री इटोरिया ने छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी दी। उन्होंने

दुपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट लगाने, चार पहिया वाहन में सीट बेल्ट लगाने का उपयोग करने, यातायात संकेतों का पालन करने तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करने की सख्त

हिदायत दी।

इसके साथ ही आपदा प्रबंधन टीम द्वारा आपातकालीन परिस्थितियों एवं सड़क दुर्घटनाओं के समय बरती जाने वाली आवश्यक सावधानियों का प्रदर्शन किया गया। टीम ने आपदा के दौरान स्वयं को सुरक्षित रखने और दूसरों की मदद करने के व्यावहारिक तरीकों के बारे में विस्तार से बताया।

प्रधान जिला न्यायाधीश ने की वाहन बीमा व नियमों के पालन की अपील

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधान जिला न्यायाधीश श्री

राजेन्द्र प्रसाद सोनी ने उपस्थित जनसमूह से यातायात नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करने तथा अपने वाहनों का बीमा जरूर कराने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान विशेष न्यायाधीश श्री अशोक कुमार शर्मा एवं तृतीय जिला न्यायाधीश श्री दिनेश कुमार शर्मा ने भी उपस्थित लोगों को महत्वपूर्ण कानूनी प्रावधानों व अधिकारों की जानकारी प्रदान की। शिविर में विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण, ट्रैफिक पुलिस टीम, आपदा प्रबंधन दल, पंचायत प्रतिनिधि, पैरालीगल वॉलंटियर्स तथा बड़ी संख्या में छात्र एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

अब तक 400 बड़े गढ़े किए जा चुके हैं दुरुस्त

ग्वालियर की सड़कों को गड़ामुक्त करने निगम का डबल एक्शन

ग्वालियर, जीएनएस।

नगर निगम ग्वालियर द्वारा शहर की सड़कों को गड़ामुक्त करने के लिए विशेष सड़क सुधार अभियान चलाया जा रहा है। अभियान को और गति देने के लिए अब पेचवर्क का कार्य दो पालियों मेंकृदिन और रात किया जा रहा है। इसके लिए पेचवर्क वाहनों पर अलग-अलग पालियों में कर्मचारियों की तैनाती की गई है, जिससे सड़क सुधार कार्य की गति को बढ़ाकर अधिक से अधिक सड़कों को कम समय में गड़ामुक्त किया जा सके।

नगर निगम आयुक्त श्री

अभिषेक चौधरी के निर्देशानुसार चलाए जा रहे इस अभियान का उद्देश्य शहरवासियों को सुरक्षित, सुगम एवं बेहतर यातायात सुविधा उपलब्ध कराना है। पेचवर्क के नोडल अधिकारी श्री अमित गुप्ता ने बताया कि पूर्व में पेचवर्क का कार्य एक ही पाली में किया जा रहा था, लेकिन अब निगम आयुक्त के निर्देश पर इसे दो पालियों में संचालित किया जा रहा है। इससे एक ही पेचवर्क वाहन का अधिकतम उपयोग करते हुए दिन के साथ-साथ रात्रि में भी सड़क सुधार कार्य किया जा सकेगा।

उन्होंने बताया कि अभियान के तहत अब तक शहर की सड़कों से लगभग 400 बड़े गड़ों को दुरुस्त किया जा चुका है। दो पालियों में कार्य शुरू होने के बाद पेचवर्क कार्य की क्षमता और गति में उल्लेखनीय वृद्धि होगी तथा शेष चिन्हित गड़ों को भी प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र दुरुस्त किया जाएगा। नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी ने संबंधित अधिकारियों को सड़क सुधार कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा चिन्हित गड़ों को प्राथमिकता से दुरुस्त कराने के निर्देश दिए हैं, ताकि बारिश के

बाद सड़क पर उत्पन्न हुई समस्याओं का शीघ्र निराकरण किया जा सके।

प्रमुख मार्गों पर हुआ सड़क सुधार: नगर निगम द्वारा शहर के प्रमुख एवं व्यस्त मार्गों को प्राथमिकता देते हुए विभिन्न क्षेत्रों में पेचवर्क कराया जा चुका है। अभियान के अंतर्गत चेतकपुरी रोड से विकटोरिया मार्केट, बेटी बचाओ रोड, शान-शौकत क्षेत्र, न्यू पड़ाव पुल से नदी गेट, आकाशवाणी चौराहा, जयेंद्रगंज रोड, ब्रिगेडियर चौराहा से सूर्य मंदिर, सिटी सेंटर रोड, रामदास घाटी, यूनियन फैक्ट्री क्षेत्र, हनुमान

चौराहा से जीवाजी गंज, पटेल नगर, लकड़खाना से रॉकसी पुल, लकड़खाना से माधोगंज थाना, माधोगंज, विजय नगर, आमखो सहित शहर के अनेक क्षेत्रों में सड़क सुधार एवं पेचवर्क कार्य किया गया है।

प्राथमिकता के आधार पर जारी रहेगा अभियान: निगम अधिकारियों के अनुसार सड़क सुधार कार्यों को सड़क की स्थिति, गड़ों की गंभीरता, यातायात का दबाव और नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्राथमिकता के आधार पर चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जा रहा है। विशेष रूप

से प्रमुख मार्गों, व्यस्त चौराहों और ऐसे स्थानों पर जहां गड़ों के कारण यातायात प्रभावित हो रहा है, वहां पेचवर्क को प्राथमिकता दी जा रही है। दो पालियों में पेचवर्क शुरू होने से एक ओर जहां सड़क सुधार कार्य तेजी से पूरा होगा, वहीं दूसरी ओर दिन के समय अत्यधिक यातायात वाले मार्गों पर कार्य के कारण होने वाली असुविधा को भी कम किया जा सकेगा। निगम का प्रयास है कि शहर की अधिक से अधिक सड़कों को शीघ्र गड़ामुक्त कर नागरिकों को सुरक्षित एवं सुगम आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराई जाए।

सेवा संकल्प अभियान के तहत विद्यार्थियों ने किया सामूहिक योगाभ्यास

श्रयोपुर, जीएनएस।

कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा के मार्गदर्शन में जिले में सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इसी क्रम में शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय श्रयोपुर में फिट इंडिया, योग एवं ध्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय श्रयोपुर एवं शासकीय विधि महाविद्यालय श्रयोपुर के विद्यार्थियों द्वारा सामूहिक योगाभ्यास किया गया। विद्यार्थियों ने विभिन्न

योगासन एवं योगाभ्यास में उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा स्वस्थ जीवनशैली, शारीरिक सक्रियता एवं मानसिक एकाग्रता के महत्व को समझा।

इस अवसर पर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय श्रयोपुर के प्राचार्य डॉ. ओ.पी. शर्मा, प्रो. अरविंद कुमार दोहरे, क्रीड़ा अधिकारी डॉ. भारतेंदु सिंह, सेवा संकल्प अभियान प्रभारी डॉ. भूपेंद्र हरदेनिया, श्री गुमान सिंह तथा शासकीय विधि महाविद्यालय श्रयोपुर के क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मनु प्रताप सिंह भदौरिया ने भी विद्यार्थियों के साथ सामूहिक रूप

से योगाभ्यास किया।

इस दौरान वक्ताओं द्वारा विद्यार्थियों को नियमित रूप से योग एवं ध्यान को अपनी दिनचर्या में शामिल करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता, नियमित व्यायाम, योग एवं ध्यान की उपयोगिता तथा स्वस्थ जीवनशैली के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना रहा। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित इस सामूहिक योगाभ्यास में दोनों महाविद्यालयों के विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही।

विजयपुर क्षेत्र में 1 लाख से अधिक बच्चों द्वारा एलबेंडाजोल टेबलेट का सेवन

श्रयोपुर, जीएनएस।

कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर विजयपुर विकासखण्ड क्षेत्र में 1 से 19 वर्ष तक के 1 लाख 1 हजार 394 बच्चों द्वारा कृमिनाशक टेबलेट एजबेंडाजोल का सेवन किया गया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र विजयपुर में आयोजित विकासखण्ड स्तरीय कार्यक्रम के माध्यम से भाजपा मंडल अध्यक्ष श्री शुभम मुदगल द्वारा बच्चों को दवा खिलाकर इस अभियान की शुरूआत की गई। इस अवसर पर बीएमओ डॉ. राघवेंद्र कर्ण, भाजपा के जिला कोषाध्यक्ष श्री अखिलेश

शर्मा, मंडल मंत्री श्री संतराम प्रजापति, बीपीएम दिलीप डंडेतिया, बी ई ई श्री साहिब कुरैशी, बी सी एम श्री कमल किशोर आदि उपस्थित रहे।

सीएमएचओ डॉ. दिलीप सिकरवार ने बताया कि राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर विजयपुर विकासखंड में 1,01,394, कराहल विकासखंड में 57,484 श्रयोपुर- बड़ौदा में 103539 बच्चों को एलबेंडाजोल गोली का सेवन कराया गया, टेबलेट खाने से शेष रहे बच्चों को 09 अक्टूबर को आयोजित मॉपअप राउंड में कवर किया जायेगा।

कलेक्टर की अध्यक्षता में रिफॉर्म उत्सव अंतर्गत समिति गठित

श्रयोपुर, जीएनएस।

भारत सरकार की नागरिक उनमुख पहल रिफॉर्म उत्सव अंतर्गत कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा की अध्यक्षता में जिला समन्वय समिति का गठन किया गया है। रिफॉर्म उत्सव अंतर्गत जन मंथन-विमर्श-समाधान के माध्यम से नागरिकों से प्राप्त प्रणालीगत सुधार संबंधी सुझावों के प्रभावी संकलन तथा जिला स्तर पर नागरिक सहभागिता एवं जन जागरूकता तथा गतिविधियों के समन्वय हेतु उक्त समिति का गठन किया गया है।

विधानसभा अध्यक्ष और कृषि मंत्री ने सेवा ज्योति कलश यात्राओं को विधानसभा क्षेत्रों के लिए किया खाना

मुरैना, जीएनएस।

जनसेवा, जनभागीदारी और राष्ट्र निर्माण की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत बुधवार को कृषि उपज मंडी, मुरैना में विकसित भारत संकल्प सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर एवं कृषि मंत्री श्री ऐदल सिंह कंधाना ने सेवा ज्योति प्रज्वलित कर जिले की छह विधानसभा क्षेत्रों के लिए सेवा ज्योति कलश यात्राओं को खाना किया। यात्रा के शुभारंभ अवसर पर बड़ी संख्या में नागरिकों

ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन का वेबकास्ट के माध्यम से सीधा प्रसारण किया गया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने प्रधानमंत्री के उद्बोधन को देखा और सुना। इस अवसर पर विकसित भारत-2047 के संकल्प को जनभागीदारी के साथ आगे बढ़ाने का आह्वान किया गया।

विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण

होने के अवसर पर देशभर में सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से जनसेवा और राष्ट्र निर्माण की भावना को आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत-2047 का संकल्प हम सभी का साझा संकल्प है। भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए प्रत्येक नागरिक को अपनी भूमिका का निर्वहन करना होगा। उन्होंने उपस्थित जनसमुदाय को विकसित भारत के निर्माण का संकल्प दिलाया, जिसे सभी ने दोहराया।

कृषि मंत्री श्री ऐदल सिंह कंधाना ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री

नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरणादायी हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लक्ष्य को साकार करने के लिए समाज के सभी वर्गों को मिलकर सहभागी प्रयास करने होंगे। सांसद श्री शिवमंगल सिंह तोमर ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। वर्ष 2047 तक भारत को समृद्ध, सशक्त और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने के लिए

समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने सेवा ज्योति यात्राओं को विकसित भारत के संकल्प एवं सेवा भावना का संदेश जन-जन तक पहुंचाने वाली महत्वपूर्ण पहल बताया। सेवा ज्योति कलश यात्राओं में बड़ी संख्या में नागरिकों ने सहभागिता करते हुए सेवा, समर्पण और विकसित भारत के निर्माण का संकल्प लिया। जिले की छह विधानसभा क्षेत्रों के लिए खाना हुई ये यात्राएं विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर सेवा संकल्प अभियान के उद्देश्यों तथा विकसित भारत-2047 के संकल्प का संदेश जन-जन तक

पहुंचाएंगी। कार्यक्रम में विधायक सबलगाढ़ श्रीमती सरला रावत, महापौर श्रीमती शारदा सोलंकी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आरती गुर्जर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री कमलेश कुमार भार्गव, जिला अध्यक्ष श्री कमलेश कुशवाह,पूर्व विधायक श्री बलवीर डंडेतिया, श्री रघुराज सिंह कंधाना, श्री सुबेदार सिंह रजौधा,श्री राकेश मावई, श्री कमलेश जाटव, समाजसेवी डॉ. योगेशपाल गुप्ता, पूर्व सांसद श्री अशोक अल्ल,सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

लोन लेकर एक गाय खरीदी, आज 100 गायों की चला रही गौशाला

श्रयोपुर, जीएनएस।

श्रयोपुर जिले में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के अंतर्गत संचालित स्वसहायता समूह ग्रामीण महिलाओं के जीवन में आर्थिक एवं सामाजिक बदलाव का माध्यम बन रहे हैं। इनके माध्यम से महिलाएं अपने आर्थिक उत्थान की नई इबारत लिख रही हैं।

कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा के मार्गदर्शन एवं सीईओ जिला पंचायत श्री कार्तिकेय जायसवाल के निर्देशन में श्रयोपुर जिले में एनआरएलएम अंतर्गत 5 हजार 816 स्वसहायता समूह संचालित हैं, जिनसे लगभग 58 हजार

महिलाएं जुड़ी हुई हैं, जिनमें से 19 हजार महिलाएं ऐसी हैं, जो आजीविकामूलक गतिविधियों को अपनाकर लखपति दीदी क्लब में शामिल हो गई हैं।

ऐसी ही एक कहानी है, श्यामपुर की मनीषा की, जिसने अपने इरादों और हौसलो से अपनी दुनिया बदल दी है। गांव के एक मोहल्ले में झोपड़ी बनाकर रहने वाली श्रीमती मनीषा रावत का जीवन मुश्किल दौर से गुजर रहा था, तीन बच्चों के परिवार के पालन-पोषण में पति की मजदूरी भी पूरी नहीं पड़ रही थी, ऐसे में जब कोई बच्चा बीमार हो जाता तो, आर्थिक संकट खड़ा हो जाता

था। बच्चों के लिए दूध की व्यवस्था भी बमुश्किल हो पाती थी। परिवार की इस स्थिति को देखकर आमगृहणी के रूप में मनीषा चुपचाप आसू बहाती रहती थी और मन ही मन इस कठिन आर्थिक संकट से निकलने के बारे में सोचती रहती थी।

मनीषा बताती है कि उसकी हालत किसी से छिपी न थी, इसलिए पड़ोस में रहने वाली एक दीदी ने उसे स्वसहायता समूह से जुड़ने का प्रस्ताव दिया और वह शशि स्वसहायता समूह में सदस्य बनकर उसकी बैठकों में भाग लेने लगी, उसने इरादा किया था कि सबसे पहले बच्चों के लिए दूध की

व्यवस्था करनी है, तो उसने समूह की बैठक में यह बात बताई और सभी साथी महिलाओं ने उसे गाय खरीदने के लिए समूह से छोटा सा लोन दे दिया। मनीषा ने एक गाय खरीदी और हरा चारा आदि काटकर गाय को खिलाती तथा गाय की खूब सेवा करती, जिससे उसे प्रतिदिन दो लीटर दूध मिलने लगा। इस दूध में से मनीषा अपने बच्चों को दूध पीने के लिए देती और एक किलो दूध गांव में ही 50 रुपये लीटर के हिसाब से बेच देती, जिससे उसे आमदनी भी होने लगी। गाय की सेवा करने के साथ ही वह इसमें पारंगत हो गई और गौसेवा का भाव भी उसमें पूर्व से

ही था, इसलिए उसने समूह के सामने यह प्रस्ताव रखा कि उसे पंचायत के माध्यम से गांव की गौशाला संचालन का कार्य सौंपा जाये तो वह बेहतर तरीके से गौशाला को चलायेगी।

इस प्रस्ताव पर एनआरएलएम के अधिकारियों द्वारा पंचायत के साथ गौशाला संचालन का अनुबंध कराया गया, चूँकि मनीषा एक गोसेवक की भावना से कार्य रही थी और मेहनती भी खूब थी, इसलिए गौशाला का संचालन बेहतर तरीके से होने लगा, आज मनीषा गौशाला की लगभग 100 गायों की देखभाल करती है और इन गायों से औसतन 50 लीटर

दूध प्रतिदिन मिल रहा है, जिसे विक्रय कर गौशाला की आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ ही स्वयं का परिवार भी खुशहाल तरीके से चला रही है। बच्चों के लिए दूध की भी अब कोई कमी नहीं रही, पति जो दूसरे के यहां मजदूरी करता था, अब गौशाला के काम में ही हाथ बटाता है। समूह के माध्यम से 4 लाख रुपये सीसीएल ऋणा की प्रतिमाह 10 हजार रुपये किस्त भी उसके द्वारा नियमित रूप से प्रदान की जा रही है। इस प्रकार मनीषा ने एक गाय पालने के साथ ही आज 100 गायों की गौशाला का संचालन सफलतापूर्वक किया जा रहा है।

8 से 10 अक्टूबर तक होगा आयोजन, देशभर से पहुंचेंगे श्रद्धालु

दाताबंदी छोड़ दिवस की तैयारियों का कलेक्टर ने लिया जायजा

ग्वालियर जीएनएस
दाताबंदी छोड़ गुरुद्वारा किले पर 8 से 10 अक्टूबर तक दाताबंदी छोड़ दिवस का आयोजन धूमधाम से किया जाएगा। तीन दिवसीय आयोजन में प्रदेश के साथ देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के ग्वालियर पहुंचने की संभावना है। आयोजन को लेकर की जा रही तैयारियों और व्यवस्थाओं का जायजा लेने कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान बुधवार को दाताबंदी छोड़ गुरुद्वारा पहुंचीं।

उन्होंने गुरुद्वारा प्रबंधन से आयोजन की रूपरेखा की जानकारी ली और संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने गुरुद्वारा प्रबंधक सुख्खा सिंह से मुलाकात कर आयोजन की तैयारियों के संबंध में विस्तार से चर्चा की। इस दौरान गुरुद्वारा प्रबंधन की ओर से कलेक्टर का स्वागत किया गया। मौके पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व नरेन्द्र बाबू यादव सहित विभिन्न



विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। कि प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी 8, 9 और 10 अक्टूबर को गुरुद्वारा प्रबंधकों ने बताया

दाताबंदी छोड़ दिवस का आयोजन किया जाएगा। आयोजन में प्रदेश के विभिन्न जिलों के अलावा देश के अलग-अलग हिस्सों से श्रद्धालु शामिल होंगे। श्रद्धालुओं की सुविधा, आवागमन और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर गुरुद्वारा प्रबंधन ने प्रशासन से सहयोग का आग्रह किया। कलेक्टर चौहान ने गुरुद्वारा प्रबंधन को आश्वासन दिया कि आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए

प्रशासन की ओर से हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को आयोजन से जुड़ी व्यवस्थाओं को बेहतर ढंग से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को सुगम और व्यवस्थित वातावरण मिल सके। प्रशासन और गुरुद्वारा प्रबंधन की ओर से आयोजन की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। तीन दिनों तक चलने वाले आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह है।

एमएलबी कॉलेज में स्वच्छता अभियान चलाया

सेवा संकल्प सप्ताह के तहत विद्यार्थियों ने परिसर और मंदिर के आसपास की सफाई की

ग्वालियर जीएनएस
महारानी लक्ष्मीबाई कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में बुधवार को सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजनीतिक विज्ञान विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. रवि रंजन ने की। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वच्छता के महत्व और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी प्रो. सुशील कुमार ने पर्यावरण में प्लास्टिक से होने वाले प्रदूषण के



बारे में जानकारी दी। राष्ट्रीय सेवा योजना की अधिकारी डॉ. ज्योत्सना राजपूत के निर्देशन में विद्यार्थियों और स्वयंसेवकों ने महाविद्यालय परिसर तथा मंदिर के आसपास

स्वच्छता अभियान चलाया। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए परिसर से कचरा एवं गंदगी हटाई। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों एवं एनएसएस

स्वयंसेवकों ने पर्यावरण संरक्षण और किसी भी प्रकार का प्रदूषण नहीं फैलाने की शपथ भी ली। एनएसएस स्वयंसेवक दीपक परिहार और सुमित शर्मा ने पर्यावरण संरक्षण विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में डॉ. शशिकला राठौर, डॉ. ज्योति शुक्ला, डॉ. मल्लिका गौड़ सहित महाविद्यालय के प्राध्यापक और एनएसएस एवं एनसीसी के सभी स्वयंसेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में प्रो. सुशील कुमार ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

परिजनों से की मुलाकात, दी श्रद्धांजलि जगदीश शर्मा के निधन पर नरेंद्र सिंह तोमर ने जताया शोक



ग्वालियर जीएनएस
मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष एवं पूर्व केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने वरिष्ठ भाजपा नेता एवं ग्वालियर विकास प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष जगदीश शर्मा के निधन पर शोक व्यक्त किया। तोमर ने बुधवार को मुरैना एवं ग्वालियर प्रवास के दौरान बसंत विहार स्थित शर्मा के निवास पर पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। विधानसभा अध्यक्ष तोमर ने सबसे पहले दिवंगत जगदीश शर्मा के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। इसके बाद उन्होंने शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने जगदीश

शर्मा के बड़े भाई एवं अधिवक्ता रमेश शर्मा, वरिष्ठ समाजसेवी छोटे भाई संतोष शर्मा तथा उनके पुत्र से भेंट कर परिवार को ढाढस बंधाया। जगदीश शर्मा भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता रहे। वे भाजपा ग्रामीण जिला अध्यक्ष के पद पर भी रहे तथा ग्वालियर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल चुके थे। उनके निधन से भाजपा कार्यकर्ताओं एवं परिचितों में शोक का माहौल है। तोमर ने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें और शोकाकुल परिवार को इस कठिन समय में दुःख सहन करने की शक्ति दें।

ख्वाजा खानून साहब का 508वां उर्स मेला आज से

ग्वालियर जीएनएस
देश के ख्यातनाम सूफी संत हजरत ख्वाजा खानून साहब का पारंपरिक 508वां सालाना उर्स मेला गुरुवार से द्वारकापुरी स्थित उनकी दरगाह पर शुरू होगा। आठ दिवसीय उर्स मेले का शुभारंभ शाम 6 बजे चिरागे चिशिताया रोशन कर किया जाएगा। दरगाह प्रबंध समिति, जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधि संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर मेले का शुभारंभ

करेंगे। उर्स संयोजक राम बाबू कटारे ने बताया कि शुभारंभ अवसर पर आयोजन समिति की ओर से उर्स की पहली चादर पेश की जाएगी। इसके बाद सज्जादानशीन हजरत ख्वाजा राशिद खानूनी साहब विशेष दुआ करेंगे। आयोजन को लेकर दरगाह परिसर में तैयारियां अंतिम चरण में हैं। दरगाह के नायब सज्जादानशीन डॉ. ऐजाज खानूनी

ने बताया कि आठ दिवसीय उर्स मेले की तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। प्रशासनिक व्यवस्थाओं को लेकर संभागीय आयुक्त और जिलाधीश की ओर से संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। मेले में आने वाले अकीदतमंदों की सुविधा के लिए सफाई, पेयजल और बिजली सहित अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। नगर निगम अधिकारियों को

भी आवश्यक व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए गए हैं। दरगाह परिसर में विशेष साज-सज्जा की जा रही है, जिससे उर्स के दौरान श्रद्धालुओं को बेहतर माहौल मिल सके। आयोजन समिति ने सभी अकीदतमंदों से राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सद्भाव का संदेश देने वाले इस राज्य स्तरीय उर्स मेले में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है।

नाम परिवर्तन सूचना
मेरे पुत्र का सही नाम प्रेम लुंडवानी (PREM LUNDWANI) है यही नाम उसके जन्म प्रमाणपत्र, शैक्षणिक दस्तावेज आदि में दर्ज है। जबकि मेरे पुत्र के आधार कार्ड में त्रुटिवश उसका नाम प्रेमकुमार (PREM KUMAR) दर्ज हो गया है। प्रेम लुंडवानी (PREM LUNDWANI) और प्रेमकुमार (PREM KUMAR) दोनों नाम मेरे एक ही पुत्र के हैं। अतः इस सूचना प्रकाशन उपरंत मेरे पुत्र के आधार कार्ड एवं समस्त शासकीय/अशासकीय दस्तावेजों में उसका नाम प्रेमकुमार (PREM KUMAR) के स्थान पर प्रेम लुंडवानी (PREM LUNDWANI) पुत्र संजय कुमार पढ़ा लिखा व दर्ज किया जावे।
आवेदक : संजय कुमार
पुत्र श्रीचंद निवासी-श्रीकृष्ण नगर, हैदरागंज, लखनऊ, ग्वालियर (म.प्र.)

26 अक्टूबर को मानस भवन में होगा 142वां अग्रवैश्य युवक-युवती परिचय सम्मेलन

एक ही पंडाल में रिश्ते कर सकेंगे अग्रबंधु

ग्वालियर जीएनएस
अखिल भारतीय अग्रवैश्य युवक-युवती परिचय सम्मेलन के 142वें आयोजन का आयोजन 26 अक्टूबर को मानस भवन, ग्वालियर में किया जाएगा। सम्मेलन में अग्रवैश्य समाज के विवाह योग्य युवक-युवतियों के लिए परिचय एवं रिश्ते तय करने की सुविधा उपलब्ध रहेगी। सम्मेलन में पंजीयन पूरी तरह निःशुल्क रखा गया है। कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में सम्मेलन के संबंध में

जानकारी देते हुए राजेश ऐरन ने बताया कि संस्था की ओर से देशभर में अब तक जयपुर, आगरा, दिल्ली, मुंबई, गोवा, कोलकाता, अहमदाबाद, सिलीगुड़ी, जम्मू, भोपाल सहित विभिन्न शहरों में 141 परिचय सम्मेलन आयोजित किए जा चुके हैं। इन आयोजनों के माध्यम से अब तक करीब 12 हजार रिश्ते तय हो चुके हैं और एक लाख से अधिक अग्रवैश्य बंधुओं के परिवार एक-दूसरे से जुड़े हैं। उन्होंने बताया कि ग्वालियर



में होने वाले परिचय सम्मेलन में अग्रवैश्य समाज के विभिन्न घटकों के परिवार अपने विवाह योग्य

बच्चों के रिश्ते के लिए शामिल हो सकेंगे। इनमें माहेश्वरी, गहोई वैश्य, खंडेलवाल वैश्य, जैन, माथुर

वैश्य और माहौर वैश्य समाज के बंधु शामिल हैं। सम्मेलन में चंबल संभाग के मुरैना, सबलगाढ़, जौरा, कैलारस, विजयपुर के साथ शिवपुरी, गुना, भिंड, गोहद, दतिया, अंबाह और पोरसा सहित आसपास के क्षेत्रों से भी समाजबंधु अपने विवाह योग्य बच्चों के साथ पहुंच सकेंगे। आयोजन की तैयारियों को लेकर शनिवार को सभी सदस्यों की बैठक आयोजित की जाएगी। सम्मेलन को सफल बनाने के लिए मुकेश सिंगल, दिलीप अग्रवाल,

ऋषभ मोहन जैन, महेंद्र अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, सुरेंद्र अग्रवाल, कन्हैयालाल सिंघल, कमलेश बाबू मंगल, नीलम शाह, विनीता तायल, बबीता अग्रवाल, पूनम अग्रवाल, मीरा अग्रवाल, ज्योति अग्रवाल, शैली अग्रवाल, रश्मि अग्रवाल, साधना गोयल, श्रद्धा गुप्ता, प्रीति बिंदल, रेनू मंगल, शशि गर्ग, कविता मंगल, पदमा अग्रवाल, रेखा गुप्ता, अनीता जैन, मीनू जैन और डोली कोठारी सहित अन्य ने समाजबंधुओं से सम्मेलन में सहभागिता की अपील की है।